RNI:
UPHIN/2015/60902

राजधानी से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

www.theachivertimes.com

द अचीवर टाइम्स

डाक पंजीयन संख्या
एस.एस.पी.एल.डब्लू/एन
पी.439/2015-2017

वर्ष : 9 अंक : 223
पृष्ठ : 8 मूल्य : 3 रुपया
लखनऊ, बुधवार, 06 दिसम्बर, 2023

एक नज़र

इन परिणामों से इंडिया गठबंधन और मजबूत होगा, जनता ने बदलाव के लिए वोट किया: अखिलेश यादव

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि राज्यों के विधानसभा चुनाव के परिणाम बदलाव के लिए आए हैं। 2024 में भी जनता बदलाव के लिए ही वोट करेगी। इससे भाजपा को चिंतित होना चाहिए। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि अभी पांच राज्यों में जो चुनाव परिणाम आए हैं उससे इंडिया गठबंधन और मजबूत होगा। ये परिणाम बदलाव के लिए आए थे। जनता केंद्र में भी परिवर्तन चाहती है। इससे भाजपा को चिंतित होना चाहिए। अखिलेश यादव ने कहा कि अगर मध्य प्रदेश में गठबंधन होता तो वहां परिणाम दूसरा होता। बता दें कि एमपी में कांग्रेस ने सपा से गठबंधन करने से इनकार कर दिया था। उन्होंने कहा कि ये चुनाव परिणाम बताते हैं कि जनता बदलाव चाहती थी। 2024 में भी बदलाव के लिए ही वोट पड़ेंगे। भाजपा को इसे लेकर चिंतित होना चाहिए।

मजाज की मजार के संरक्षण की उठी मांग

लखनऊ। शायर मजाज की पुण्यतिथि पर मंगलवार को पेपर मिल कॉलोनी स्थित उनकी कब्र पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए शहर के बुद्धिजीवी पहुंचे। इस मौके पर लोगों ने पुष्पांजलि देते हुए उनकी मज़ार को संरक्षित करने के साथ ही उसका जीर्णोद्धार कराने की मांग उठाई। इस मौके पर याद ए मजाज के अंतर्गत एक संगोष्ठी का भी आयोजन हुआ। इसमें लेखक हफीज किदवई ने उन्हें याद करते हुए कहा कि मजाज औरत और आदमी में बराबरी के पैरोकार और समाज में सदभाव लाने के हिमायती थे। वे बहुत संवेदनशील थे, यह उनकी निजी जिंदगी के साथ शायरी में भी दिखता था। किदवई ने मजाज और उनकी बहन सफिया अख्तर के बीच जुड़ाव पर भी बात की। लेखक फरजाना मेहंदी और सबाहत ने मजाज की नज़्म औरत, मजदूर और बोल पढ़ी, जिसे खूब सराहा गया। इस मौके पर रामकिशोर,भगवान स्वरूप कटियार, सुभाष राय, परवेज मलिकजादा, निहालुद्दीन उस्मानी, आशीष यादव, एहतिशाम साहब आदि मौजूद रहे।

तेलंगाना के अगले सीएम रेवंत रेड्डी

एबीवीपी से शुरुआत की, टीडीपी छोड़कर कांग्रेस में आए

एजेंसी

नई दिल्ली। चार राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजे आ चुके हैं। राज्य में कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है। कांग्रेस ने 64 सीटों पर जीत हासिल की थी, वहीं बीआरएस ने 39 सीटों पर जीत हासिल कर सकी थी।

आठ सीटों पर भाजपा और छह सीटों पर एआईएमआईएम ने जीत दर्ज की थी। एक सीट पर भाकपा ने जीत हासिल की थी। राज्य की 119 सीटों वाली विधानसभा के लिए 30 नवंबर को मतदान हुआ था। चार राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजे आ चुके हैं। राज्य में कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है। कांग्रेस ने 64 सीटों पर जीत हासिल की थी, वहीं बीआरएस ने 39 सीटों पर जीत हासिल कर सकी थी। आठ सीटों पर भाजपा और छह सीटों पर एआईएमआईएम ने जीत दर्ज की थी। एक सीट पर भाकपा ने जीत हासिल की थी। राज्य की 119 सीटों वाली विधानसभा के लिए 30 नवंबर को मतदान हुआ था। इस बीच तेलंगाना के नए मुख्यमंत्री के नाम का एलान कर दिया गया है। कांग्रेस महासचिव वेणुगोपाल ने बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष ने तेलंगाना विधायक दल के नए सीएलपी के रूप में रेवंत रेड्डी के नाम पर मुहर लगाई है।

कौन हैं रेवंत रेड्डी?

वर्तमान में रेवंत रेड्डी तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस इकाई के अध्यक्ष के पद पर हैं। उनका जन्म 8 नवंबर 1967 को अविभाजित आंध्र प्रदेश में नगरकुर्नूल के कोंडारेड्डी पल्ली नामक स्थान पर हुआ था। रेवंत के पिता का नाम अनुमुला नरसिम्हा रेड्डी और माता का नाम अनुमुला रामचंद्रम्मा है। उन्होंने हैदराबाद में ए.वी. कॉलेज (ओस्मानिया विश्विद्यालय) से फाइन आर्ट्स में ग्रेजुएशन की पढ़ाई की। इसके बाद रेवंत ने एक प्रिंटिंग प्रेस की शुरुआत की। 7 मई 1992 को रेवंत ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री जयपाल रेड्डी की भतीजी अनुमुला गीता से शादी कर ली। हालांकि, शुरुआत में करियर के चुनाव की वजह से परिवार वाले इस रिश्ते के खिलाफ हो गए थे। बाद में परिवार वाले माने और उन्होंने गीता के साथ वैवाहिक रिश्ते की शुरुआत की। उनकी एक बेटी है, जिसका नाम न्यामिषा है। शादी के बाद कांग्रेस सांसद रेवंत के सियासी सफर का आगाज होता है, जिसकी कहानी भी दिलचस्प है। छात्र जीवन के दौरान वह आरएसएस के छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े हुए थे। उन्होंने 2006 में बतौर निर्दलीय प्रत्याशी स्थानीय निकाय का चुनाव लड़ा और मिडजिल मंडल से जिला परिषद क्षेत्रीय समिति के सदस्य चुने गए। इसके बाद 2007 में निर्दलीय ही आंध्र प्रदेश विधान परिषद के सदस्य बन गए। इस कार्यकाल के दौरान उनकी मुलाकात तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू से हुई और आखिरकार वह पार्टी का हिस्सा बन गए। 2009 में रेवंत ने टीडीपी के टिकट पर अपना पहला विधानसभा चुनाव लड़ा और 6,989 वोटों से जीत दर्ज की। कोडंगल सीट से उतरे रेवंत कांग्रेस के पांच बार के विधायक गुरुनाथ रेड्डी को हराकर पहली बार विधायक बने थे। तेलंगाना गठन से पहले 2014 में हुए विधानसभा चुनाव में रेवंत एक बार फिर कोडंगल सीट से टीडीपी के उम्मीदवार बने। एक बार फिर उन्होंने गुरुनाथ रेड्डी को हराया, जो इस बार टीआरएस के उम्मीदवार थे। 2014 के विधानसभा चुनाव में रेवंत 14,614 वोटों के अंतर से विजयी हुए थे। इसके बाद टीडीपी ने रेवंत को तेलंगाना विधानसभा में नेता सदन बनाया दिया।

विवादों से भी नाता

मई 2015 में रेवंत विवादों में आए गए थे, जब तेलंगाना की अपराध निरोधक शाखा (एसीबी) ने उन्हें रिश्वत देने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया था। उनके खिलाफ मनोनीत विधायक एल्विस स्टीफेंसन को विधान परिषद चुनाव में टीडीपी उम्मीदवार के पक्ष में मतदान से जुड़े एक स्टिंग ऑपरेशन के बाद यह कार्रवाई हुई थी। 30 जून को तेलंगाना उच्च न्यायालय ने इस मामले में रेवंत को सशर्त जमानत दे दी। पिछले महीने ही तेलंगाना पुलिस ने रेवंत रेड्डी को गिरफ्तार किया था। हैदराबाद गन पार्क में चुनाव आचार संहिता के उललंघन के आरोप में उन्हें गिरफ्तार कर लिया था।

पीड़ा में आए मरीज के साथ ना हो दुर्व्यवहार- योगी आदित्यनाथ

द अचीवर टाइम्स आनंद पांडेय

लखनऊ। सी.एम योगी आदित्यनाथ ने लोकभवन में आयोजित एक कार्यक्रम में नियुक्ति पत्र का वितरण किया। यह नियुक्ति पत्र स्वास्थ्य सेवा में चयनित सहायक आचार्य, स्टाफ नर्स, आयुष चिकित्सा शिक्षकों को दिए गए। लोक भवन में मंगलवार को आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि %जो मरीज पीड़ा में किसी चिकित्सक के पास आता है और अगर उसके साथ सहानुभूति पूर्वक व्यवहार नहीं किया जाएगा तो उसकी दुआ की उम्मीद न रखिए। मरीज के पीठ पर हाथ रखिए उसके साथ सहानुभूति पूर्वक व्यवहार कीजिए आपकी चर्चा होगी वह आपके बारे में बात करेगा और दुआ भी देगा।इस दौरान उनके साथ उपमुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक और अन्य विशिष्ट व्यक्ति मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश दिमागी बुखार, इंसेफेलाइटिस जैसी बीमारियों से पीड़ित मरीजों को इलाज नहीं दे पा रहा था। हर साल सैकड़ों की संख्या में पूर्वांचल में ऐसे बच्चों की मौत होती थी लेकिन हमारे प्रयासों ने और स्वास्थ्य सेवाओं में किए गए बदलावों के चलते 98त्न तक इन रोगों से होने वाली मौतों पर काबू पा लिया गया है। यह इस सरकार की बड़ी सफलता है चिकित्सकों की संख्या में वृद्धि होने एंबुलेंस बढ़ाने और स्टाफ नर्स की संख्या में बढ़ोतरी होने के साथ ही उत्तर प्रदेश को और बेहतर सेवाएं मिलेंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आप काम के दबाव में अगर मरीज के साथ में दुर्व्यवहार करेंगे तो निश्चित तौर पर इससे मरीजों को दुःख पहुंचेगा जो भी लोग आपके पास आते हैं वह बहुत पीड़ा में होते हैं, ऐसे में वह उम्मीद करते हैं कि आप उनके साथ सहानुभूति पूर्वक व्यवहार करेंगे. इस बात को हमेशा ध्यान रखना है कि मरीज के साथ में अच्छा व्यवहार किया जाए। नियुक्त पत्र वितरण के दौरान जॉइनिंग करने वाले चिकित्सकों और स्टाफ नर्स को सूबे के मुखिया द्वारा बड़ा संदेश दिया गया।

देश में बीते साल अपहरण के एक लाख से ज्यादा मामले

76 हजार से ज्यादा नाबालिग, हर घंटे 12 लोग अगवा

एजेंसी

नई दिल्ली। पिछले लगभग 12 महीने में अपराध के मामले में कौन सा प्रदेश कहां ठहरता है, यह समझने में एनसीआरबी के आंकड़े मदद करते हैं। 2022 में देश में प्रतिदिन 294 से अधिक अपहरण के मामले दर्ज किए गए। किडनैपिंग के मामले सबसे अधिक उत्तर प्रदेश में सामने आए।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) के आंकड़ों में सिहरन पैदा करने वाले तथ्य सामने आए हैं। एनसीआरबी की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, साल 2022 में प्रतिदिन 294 से अधिक अपहरण की वारदात को अंजाम दिया गया। इन आंकड़ों के अनुसार, देशभर में हर घंटे 12 किडनैपिंग के मामले दर्ज किए गए। राज्यवार आंकड़ों के मुताबिक अपहरण के मामले सबसे अधिक उत्तर प्रदेश में सामने आए। एनसीआरबी के अनुसार, अपहरण की सबसे अधिक प्राथमिकी (एफआईआर) उत्तर प्रदेश में दर्ज की गई। साल 2022 में पूरे भारत में अपहरण के एक लाख से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। एनसीआरबी रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में देश में प्रति लाख जनसंख्या पर अपराध की औसत दर 7.8 रही। ऐसे अपराधों में आरोप पत्र दायर करने की दर 36.4 थी। वार्षिक अपराध रिपोर्ट में एनसीआरबी ने बताया कि 2022 में देश में अपहरण के 1,07,588 मामले दर्ज किए गए। एक साल में आपराधिक घटनाएं लगभग छह हजार से अधिक बढ़ी हैं। पिछले साल आंकड़ा 1,01,707, जबकि 2020 में अपहरण के कुल मामले 84,805 थे। साल 2022 में 21,278 पुरुषों, 88,861 महिलाओं और एक ट्रांसजेंडर सहित कुल 1,10,140 लोगों के अपहरण की खबरें सामने आईं। इसका मतलब करीब 8400 से अधिक मामलों की रिपोर्ट पुलिस में दर्ज नहीं कराई गई। इन 1.10 लाख से अधिक मामलों में से 76,069 नाबालिग (13,970 लड़के और 62,099 लड़कियां) थे। 34,071 अपहरण के मामलों में पीड़ित वयस्क थे। इनमें 7,308 पुरुष, जबकि 26,762 महिलाएं हैं। पीड़ितों में एक वयस्क ट्रांसजेंडर था। एनसीआरबी ने कहा कि 2022 में अपहरणकर्ताओं के पास कुल 1,17,083 पीड़ित पाए गए। इनमें 21,199 पुरुष, 95,883 महिला और एक ट्रांसजेंडर पीड़ित थे। 1,16,109 लोगों को अपहरणकर्ताओं के चंगुल से मुक्त कराने में कामयाबी मिली, जबकि 974 अपहृत लोग मृत पाए गए। राज्यवार आंकड़े देखने पर उत्तर प्रदेश अपहरण के मामले में सबसे आगे है। इस राज्य में 2022 में अधिकतम 16,262 मामले दर्ज किए गए। 2021 में यूपी में 14,554, जबकि 2020 में 12,913 अपहरण के मामले दर्ज किए गए थे। इस राज्य में अपराध की दर 6.9 थी, जबकि आरोप पत्र दाखिल करने की दर 43.7 थी। एनसीआरबी डेटा के मुताबिक यह आंकड़े राष्ट्रीय औसत से बेहतर हैं।

उत्तर प्रदेश के बाद किन राज्यों का नंबर

अपहरण के मामले में दूसरे नंबर पर महाराष्ट्र है। यहां 2022 में 12,260 मामले दर्ज किए गए। 2021 में इस प्रदेश में 10,502, जबकि 2020 में 8,103 अपहरण के मामले दर्ज किए गए थे। इस प्रदेश में अपराध की दर 9.8 थी, जबकि आरोप पत्र दाखिल करने की दर 20.9 थी। तीसरे नंबर पर बिहार आता है। इस राज्य में 2022 में अपहरण के 11,822 मामले सामने आए। 2021 में बिहार में 10,198, जबकि 2020 में 7,889 अपहरण की एफआईआर दर्ज कराई गई। वर्ष के दौरान अपराध की दर 9.4 थी जबकि आरोप पत्र दाखिल करने की दर 63 थी। बिहार के बाद चौथे नंबर पर मध्य प्रदेश और पांचवें नंबर पर पश्चिम बंगाल आता है। मध्य प्रदेश में अपहरण के मामले- यहां 2022 में अपराध दर 12.1 रही, जबकि आरोप पत्र दायर होने की दर 26.2 रही।

10,409 (2022)
9,511 (2021)
7,320 (2020)

पश्चिम बंगाल में पहरण के मामले: 2022 में पराध दर 8.2 रही, ।रोप पत्र दायर होने की दर 69.4 रही।

8,088 (2022)
8,339 (2021)
9,309 (2020)

छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री के साथ दो डिप्टी सीएम होंगे

एक अनार सौ बीमार की स्थिति में सीएम की कुर्सी

एजेंसी

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री के पद को लेकर एक अनार सौ बीमार जैसी स्थिति बनी हुई है। मध्यप्रदेश की जीत में शिवराज सिंह चौहान %क्रेडिट% ले रहे हैं। जबकि राजस्थान में वसुंधरा राजे विधायकों की बैठक कर हाईकमान पर दबाव बनाने की कोशिश कर रही हैं। लेकिन छत्तीसगढ़ में तस्वीर लगभग साफ नजर आ रही है। कहने को तो पूर्व सीएम रमन सिंह सबसे प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं, लेकिन अब मुख्यमंत्री की दावेदारी में रमन सिंह से आगे अरुण साव, विष्णुदेव साय और केंद्रीय मंत्री रेणुका सिंह का नाम लिया जा रहा है। इन नेताओं के अलावा जिन नेताओं को मुख्यमंत्री पद की रेस में शामिल माना जा रहा है, इनमें विजय बघेल, बृजमोहन अग्रवाल, लता उसेंडी और ओपी चौधरी के नाम भी है। अगर ये नेता सीएम नहीं बन पाए तो डिप्टी सीएम की कुर्सी पर दावेदारी तो रहेगी ही। नाम न छापने के अनुरोध पर भाजपा के एक वरिष्ठ सांसद ने बताया कि, भाजपा ने पूरे चुनाव में ओबीसी के साथ आदिवासी वोटों को साधने का काम किया। खुद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह एक जनसभा में यह कहते हुए नजर आए कि एक बड़े आदिवासी नेता के लिए मैंने कुछ बड़ा सोचा है। अब छत्तीसगढ़ के नए मुख्यमंत्री और डिप्टी सीएम के नाम जो भी सामने आए। इसमें एक बात तो पक्की है दोनों में से एक ओबीसी और दूसरा आदिवासी नेता ही होगा। अगर ओबीसी नेता को मुख्यमंत्री बनाया जाता है, तो

आदिवासी नेता अपने लिए डिप्टी सीएम की कुर्सी पक्की समझें। इसके उलट अगर आदिवासी नेता मुख्यमंत्री बनता है तो एक ओबीसी नेता का डिप्टी सीएम बनना तय है। जातिगत समीकरण को ध्यान में रखते हुए पार्टी सामान्य वर्ग से भी एक डिप्टी सीएम बना सकती है।

शाह ने किसके बारे में बड़ा सोचा है

छत्तीसगढ़ को आदिवासी राज्य के रूप में देखा जाता है, क्योंकि यहां की 32 फीसदी आबादी एसटी कैटेगरी में आती है। आदिवासी समुदाय से आने वाले बीजेपी नेता विष्णुदेव साय को मुख्यमंत्री पद की रेस में सबसे आगे माना जा रहा है। इसकी एक बड़ी वजह गृह मंत्री अमित शाह का बयान है। प्रदेश के राजनीतिक जानकारों का कहना है कि विधानसभा चुनाव में तो कुछ बड़ा सोचा है इसका मतलब मुख्यमंत्री बनाना ही होता है। विष्णुदेव साय ने अपने इलाके में जो किया है, वो कमाल ही कहा जाएगा। उन्होंने क्षेत्र की सभी सीटें कांग्रेस से छीन कर बीजेपी को सौंप दी है। साय खुद कुनकुरी विधानसभा सीट से चुनाव मैदान में थे, जहां उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी को 25 हजार से ज्यादा वोटों से शिकस्त दी है। इसके अलावा साय ने अपने साथ साथ सरगुजा संभाग की सभी सीटें भी बीजेपी के खाते में ट्रांसफर करवा दी है।

रेणुका और लता भी है रेस में

सरगुजा संभाग का प्रदर्शन विष्णुदेव साय की मुख्यमंत्री पद की दावेदारी को मजबूती देता है। साय को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ साथ पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह का भी करीबी माना जाता है। साय इससे पहले वो छत्तीसगढ़ बीजेपी के अध्यक्ष और मोदी सरकार की पहली पारी में राज्य मंत्री भी रह चुके हैं। इसके अलावा छत्तीसगढ़ में डॉक्टर रेणुका सिंह का नाम भी भावी मुख्यमंत्री के रूप में लिया जा रहा है। रेणुका आदिवासी समाज से ही आती हैं। वे फिलहाल मोदी सरकार में राज्य मंत्री हैं, पहले छत्तीसगढ़ में महिला मोर्चा की अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। अगर वो सीएम बनने में कामयाब होती हैं तो छत्तीसगढ़ को ना सिर्फ अनुसूचित जनजाति का सीएम का मिलेगा बल्कि राज्य की कमान पहली बार किसी महिला के हाथ में हो सकती है।

डिप्टी सीएम की कुर्सी भी तो है ही

छत्तीसगढ़ में भाजपा के जबरदस्त प्रदर्शन के बाद बीजेपी अध्यक्ष अरुण साव को भी अगले मुख्यमंत्री के रूप में देखा जा रहा हैं। अरुण साव रेस में अगर विष्णुदेव साय से पिछड़ते है तो वे डिप्टी सीएम के पहले हकदार हो सकते है। 2022 में विष्णुदेव साय को हटाकर ही अरुण साव को सूबे में बीजेपी की कमान सौंपी गयी थी। बिलासपुर की लोरमी सीट से विधानसभा चुनाव जीतने वाले अरुण साव फिलहाल सांसद हैं।

बृजमोहन अग्रवाल और ओपी चौधरी के नाम है आगे

इसके अलावा सीएम-डिप्टी सीएम के नामों में बृजमोहन अग्रवाल का नाम भी शामिल है। बृजमोहन अग्रवाल रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट से आठ बार के विधायक हैं। बृजमोहन अग्रवाल, डॉक्टर रमन सिंह के नेतृत्व वाली बीजेपी की सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं। बृजमोहन को रायपुर दक्षिण सीट को बीजेपी के अभेद्य किले में तब्दील करने के लिए श्रेय दिया ही जाता है, इनकी गिनती स्वच्छ छवि के सरल-सहज नेताओं में भी होती है। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री पद की रेस में चर्चा पूर्व आईएएस अधिकारी ओपी चौधरी के नाम की भी है।

लखीमपुर हिंसा केस में आया नया मोड़

आरोपियों के खिलाफ गवाह ने बयानों से किया किनारा

एजेंसी

लखीमपुर खीरी। तीन अक्तूबर, 2021 को तिकुनिया में हुए खूनी संघर्ष में चार किसानों समेत आठ लोग मारे गए थे। मामले में एडीजे प्रथम की अदालत में सुनवाई चल रही है। एडीजे सुनील वर्मा के तबादले के बाद अब एडीजे रामेंद्र कुमार मामले की सुनवाई कर रहे हैं, लेकिन इस केस की सुनवाई के दौरान अहम मोड़ आ गया है।

तिकुनिया हिंसा मामले में सुनवाई के दौरान ही रसूखदार आरोपियों के खिलाफ गवाह अपने बयानों से किनारा करते दिखाई दिया। इस पर अभियोजन की ओर से गवाह को लेकर उसके पक्षद्रोही होने की आशंका प्रकट की गई। साथ ही उसे गवाह के रूप में पेश न करने का निर्णय लिया। तीन अक्तूबर, 2021 को तिकुनिया में हुए खूनी संघर्ष में चार किसानों समेत आठ लोग मारे गए थे। मामले में एडीजे प्रथम की अदालत में सुनवाई चल रही है। एडीजे सुनील वर्मा के तबादले के बाद अब एडीजे रामेंद्र कुमार मामले की सुनवाई कर रहे हैं, लेकिन इस केस की सुनवाई के दौरान अहम मोड़ आ गया है। अब तक तिकुनिया हिंसा मामले में पांच गवाह पेश हो चुके हैं। छठे गवाह के रूप में शमशेर सिंह को पेश किया जाना था, लेकिन गवाह को पेश करने से पहले जब अभियोजन टीम ने उससे सवाल-जवाब करने शुरू किए तो पुलिस और एसआईटी के समक्ष दिए गए अपने पूर्व के बयानों से हटकर गवाह ने हर बात पर हां कहना शुरू कर दिया। इससे प्रारंभिक पूछताछ में ही अभियोजन पक्ष को ऐसा लगा कि ऐसे गवाह को पेश करने से जो हर बात में हां कर रहा है, उससे अभियोजन पक्ष को नुकसान हो सकता है। क्योंकि वह हर किसी बात पर बिना सोचे विचारे ही हां करने लगा। लिहाजा अभियोजन टीम के वरिष्ठ अधिवक्ता सुरेश सिंह मुन्ना और डीजीसी अरविंद त्रिपाठी ने गवाह को अदालत में पेश न करने का निर्णय लिया।

प्रेमिका की हत्या कर प्रेमी ने दी जान, गर्दन में मारी गोली, रिश्ते में थे दोनों जीजा-साली

❖ निगोही क्षेत्र में सनसनीखेज वारदात हुई है। गांव तिंदुलिया में प्रेमी ने गोली मारकर प्रेमिका की हत्या कर दी। इसके बाद खुद को भी गोली मार ली। मंगलवार सुबह परिजनों को जानकारी हुई तो चीख-पुकार मच गई।

द अचीवर टाइम्स दीपक सिंह

शाहजहांपुर। निगोही थाना क्षेत्र के गांव तिंदुलिया में सोमवार रात युवक ने युवती की हत्या करने के बाद खुद को भी गोली मार ली। युवती की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि युवक ने राजकीय मेडिकल कॉलेज में दम तोड़ दिया। युवक और युवती के प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों रिश्ते में जीजा-साली थे। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना की वजह का अभी पता नहीं चल सका है। एक पैर से दिव्यांग मुकेश यादव (30) के छोटे भाई धीरेंद्र की शादी लखीमपुर के थाना मोहम्मदी के परसपुर गांव में लक्ष्मी के साथ हुई थी। लक्ष्मी की छोटी बहन रामा यादव (22) से मुकेश का प्रेम प्रसंग चल रहा था। सोमवार को रामा के चचेरे भाई छोटू यादव की परसपुर गांव में शादी थी। वहां धीरेंद्र और उसकी भाभी गए हुए थे। सोमवार शाम को मुकेश बाइक से रामा को बरात से अपने गांव ले आया। गांव के बाहर बादाम सिंह के बगल में बने कमरे में ले जाकर रखा। पुलिस का मानना है कि रात में मुकेश ने तमंचे से लड़की के गले में गोली मार दी। इसके बाद खुद को भी गोली मार ली। मंगलवार सुबह बादाम सिंह का पुत्र अजमेर सिंह जानवरों को चारा डालने के लिए पहुंचा तो उसे दरवाजा बंद मिला।

युवक की चल रही थीं सांसें

दरवाजे को तोड़ने पर वह अंदर गए तो दोनों खून से लथपथ पड़े मिले। युवती की मौत हो चुकी थी। युवक की सांस चल रही थी। परिजन उसे सीएचसी लेकर गए, जहां से उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर एसपी सिटी सुधीर जायसवाल ने मौका मौयना किया। वहीं मुकेश के घरवाले प्रेम प्रसंग की जानकारी से इनकार कर रहे हैं। वे घटना के पीछे की वजह भी नहीं बता पा रहे हैं। एसपी सिटी ने बताया कि प्रथमदृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है। मामले की जांच की जा रही है।

हरदोई पहुंची मंडलायुक्त रोशन जैकब ने सुनी जनता की समस्याएं, अधिकारियों को दिए निर्देश

हिमांशु त्रिपाठी, द अचीवर टाइम्स

हरदोई। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित मण्डलीय जनता दर्शन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मंडलायुक्त रोशन जैकब ने आमजन की समस्याओं को गम्भीरता से सुना। मंडलायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि लोगों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण एवं पीड़ितों को शीघ्र न्याय दिलाना सुनिश्चित कराये तथा किसी सेवानिवृत्त कर्मचारी के देयकों के भुगतान में अनावश्यक विलंब न किया जाए। घरौनी न जारी करने के एक मामले में मंडलायुक्त ने तत्काल जाँच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश एसडीएम सदर को दिये साथ ही कहा कि घरौनी के मामलों में अनावश्यक देरी न की जाए और अवैध कब्जों के मामले में तत्काल कार्रवाई की जाए व पैमाईश के मामलों को लंबित न रखा जाए। उन्होंने कहा कि पात्र दिव्यांग, वृद्धावस्था व विधवा पेंशन को समय से जारी कराने के साथ आधार सीडिंग का कार्य जल्द पूरा कराएं। अभ्युदय योजना के विद्यार्थियों ने कोचिंग 4 दिनों से बन्द होने की शिकायत पर मंडलायुक्त व जिलाधिकारी से कोचिंग को तत्काल चालू करवाने के निर्देश दिए। एक किसान के प्रार्थनापत्र पर उन्होंने अहिरोरी विकास खण्ड के वाजिदपुर में निर्माणाधीन गौशाला का निर्माण जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि महिला उत्पीड़न के मामलों में तत्काल कार्रवाई की जाए। जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देश दिया कि माधोगंज विकास खण्ड के करवा गाँव का राशन गाँव में ही वितरित करवाने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर आयुक्त प्रशासन घनश्याम सिंह, पुलिस अधीक्षक केशव चन्द्र गोस्वामी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी रोहताश कुमार, अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह, नगर मजिस्ट्रेट प्रशान्त तिवारी व अन्य सभी जिलास्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

एनओसी से संबंधित मामलों का ससमय निस्तारण कराया जाए: जिलाधिकारी

द अचीवर टाइम्स निशान्त शुक्ला

हरदोई। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में जिला भूगर्भ जल प्रबंधन परिषद की बैठक हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि एनओसी से संबंधित मामलों का ससमय निस्तारण कराया जाए। भूजल उपयोग से संबंधित आवेदनों के निस्तारण में अनावश्यक विलंब न किया जाए। इस अवसर पर एई लघु सिंचाई धर्मेन्द्र सिंह, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

एक नज़र

विकसित भारत यात्रा की बैठक में ग्रामीणों ने बताई अपनी समस्याएं लेकर

द अचीवर टाइम्स रमेश चंद्र

फरधान। धौरहरखुर्द गांव में पंचायत विकसित कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता श्रीनगर विधायिका मंजू त्यागी ने की। जिसमें ग्रामीणों की समस्याएं सुनने के साथ साथ मोदी और योगी सरकार की नीतियों को ग्रामीणों को बताया। ग्रामीणों ने वृद्धापेंशन, विधवा पेंशन जमीनी विभाजन आदि की शिकायत लेकर फरियादी पहुंचे और अपनी शिकायतें दर्ज कराई। विकसित भारत संकल्प यात्रा को लेकर ग्राम पंचायत धौरहरखुर्द में ग्राम पंचायत स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए श्रीनगर विधायिका मंजू त्यागी ने भारत सरकार की योजनाओं के बारे में जनता को बताया। बैठक में विभिन्न प्रकार की समस्याएं लेकर आए फरियादियों ने अपनी शिकायत दर्ज कराई। विधवा पेंशन फरियादी महिला त्रिवेणी देवी, सुशीला देवी, सुखना देवी आदि महिलाओं ने महिला समाज कल्याण के अधिकारी गंगाराम वरुण शुक्ला को शिकायती पत्र देकर बताया उनकी विधवा पेंशन नहीं आ रही है। खेती जमीन आदि समस्याओं से परेशान लगभग 50 किसान आए। अपनी समस्या कृषि विभाग अधिकारी आए, संतोष कुमार को बताई। लगभग 50 समस्याएं जिसमें किसी की समस्या का निराकरण नहीं हो सका। रामचंद्र, राजकुमार, मिश्रीलाल, समेत कई बुजुर्ग वृद्धा पेंशन न आने की शिकायत दर्ज कराई। बैठक में आए फरियादियों से लिखित शिकायत लेकर निराकरण का आश्वासन दिया गया। लेकिन मौके पर किसी समस्या का समाधान न होने से फरियादी को मायूसी हाथ लगी। बैठक में ग्राम प्रधान पति रावेंद्र वर्मा, पंचायत सेक्रेटरी शालिनी शर्मा सहायक पंचायत शुभम, पंचायत सेक्रेटरी प्रमोद कुमार, कोटेदार समूह की महिलाएं, आंगनवाड़ी सहायिका समेत सैकड़ो ग्रामीण मौजूद रहें।

राजस्थान के कंडक्टर से 53 हजार रूपये की हुई लूट,पुलिस जांच पड़ताल में जुटी

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

हापुड़। जनपद हापुड़ के थाना देहात क्षेत्र के अंतर्गत मंगलवार को राजस्थान निवासी कंडक्टर कान्हा गुर्जर ट्रक में माल लेकर हापुड़ देहात क्षेत्र के ततारपुर फैक्ट्री एरिया के पास पहुंचे थे जहां कंडक्टर को एक काला कोट पहने व्यक्ति ने अपनी बातों में उलझा लिया। इसके बाद कंडक्टर से 53 हजार रुपए की लूट को अंजाम दिया और मौके से फरार हो गया। ट्रक से माल उतारने पहुंचे कंडक्टर के साथ 53 हजार रुपए की लूट का मामला सामने आने पर जानकारी मिलने पर पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। खबर लिखे जाने तक फिलहाल पुलिस ट्रक कंडक्टर को लेकर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला जा रहा है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा। जहां कंडक्टर ने बताया कि एक काला कोट पहने व्यक्ति ने अपनी बातों मुझे उलझा लिया। इसके बाद कंडक्टर से 53 हजार रुपए की लूट को अंजाम दिया और वह मौके से फरार हो गया शोर सुनकर आसपास लोग इकट्ठा हो गए।लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने ट्रक कंडक्टर व चालक से पूछताछ कर आसपास लगे सीसीटीवी को खंगाल गया। यह घटना ततारपुर फैक्ट्री एरिया में स्थित शराब के ठेके के आसपास की बताई गई।

बीएलओ को घर घर जाकर 18-19 आयुवर्ग के छूटे हुए मतदाताओं को जोड़ेंःआयुक्त

इपी रेशियो व जेंडर रेशियो पर जनपद में विशेष ध्यान दिया जायें: जिलाधिकारी

द अचीवर टाइम्स निशान्त शुक्ला

हरदोई। मंडलायुक्त श्रीमती रोशन जैकब ने आज जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह के साथ राम जूनियर स्कूल में मतदाता पुनरीक्षण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने बीएलओ को घर घर जाकर 18-19 आयुवर्ग के छूटे हुए मतदाताओं को जोड़ा जाए। प्रथम बार मतदाता बनने के लिए फॉर्म 6 भराया जाए। मतदाता सूची में किसी प्रकार के संशोधन के लिए फॉर्म 8 भरा जाए। मृतक या डुप्लीकेट मतदाताओं को हटाने के लिए फॉर्म 8 भरा जाए। पर्यवेक्षक व ईआरओ अपने बीएलओ के साथ संवाद करते रहें। राम जूनियर स्कूल के उपरांत मंडलायुक्त ने भड़ायल के उच्च प्राथमिक विद्यालय में बीएलओ के कार्य को देखा तथा अगले चार दिनों में पुनरीक्षण कार्य हेतु विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि इपी रेशियो व जेंडर रेशियो पर जनपद में विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस अवसर पर अपर आयुक्त घनश्याम सिंह, पुलिस अधीक्षक केशव चन्द्र गोस्वामी, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

छात्रा के लिए आरक्षित पदक छात्र के नाम किया आवंटित

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह में दिए जाने वाले पदकों के संबंध में बड़ी लापरवाही सामने आई है। छात्रा के लिए आरक्षित पदक छात्र के नाम आवंटित कर दिया। इसी तरह केमिस्ट्री के एक पदक को सूची में शामिल ही नहीं किया गया। दीक्षांत समारोह से ठीक पहले आनन-फानन सूची में बदलाव किया गया जिससे पदकों की संख्या बढ़कर अब 193 हो गई है। लविवि का दीक्षांत समारोह बुधवार को होना है। इस दौरान दिए जाने वाले पदकों की प्रस्तावित सूची लविवि प्रशासन ने पिछले माह जारी कर 30 नवंबर को फाइनल सूची भी जारी कर दी थी। इस सूची में एक नहीं बल्कि दो बड़ी गड़बड़ियां हैं। लविवि में कई पदक सिर्फ छात्राओं को ही दिए जाते हैं।

ग्राम शैरपुर नर्शा औरास में महाराजा लाखन स्वाभिमान समिति ग्राम चौपाल संगोष्ठी कार्यक्रम का हुआ आयोजन

मुख्य अतिथि के रूप में डा0 मोहनलाल पासी का हुआ आगमन शिक्षा पर दिया जोर।

द अचीवर टाइम्स - महेन्द्र कुमार

औरास उन्नाव। हसनगंज तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत शैरपुर नर्शा औरास में आयोजित कार्यक्रम में अपने पुरखो को याद करते हुए कहा जो कभी इस देश के शासक हुआ करते थे ग्रामीणों को पासी समाज के इतिहास से कराया अवगत।164-मोहान विधानसभा अध्यक्ष अजय रावत व समाज सेवी बाबूलाल रावत के नेतृत्व में महाराजा लाखन पासी स्वाभिमान समिति के अध्यक्ष के निर्देशानुसार ग्राम चौपाल संगोष्ठी कार्यक्रम का हुआ आयोजन। मुख्य अतिथि के रूप में डा0 मोहनलाल पासी का हुआ आगमन। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डा0 वीरेंद्र रावत ने बड़ी धूमधाम से फूलो का हार पहनाकर किया जोरदार स्वागत।

मुख्य अतिथि ने सबको हृदय की गहराइयों से किया धन्यवाद। उन्होंने कहा विधानसभा मोहान एक पासी बाहुल्य क्षेत्र है जो कि हमारे पूर्वज रजवाड़े पासी के नाम से जाने जाते थे तब भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था यहां कोई जात-पात नहीं थी सब बड़े ही प्रेम-भाव से रहते थे। कहा हे मेरे पासी समाज के वीरों याद करो तुम अपने लहू को यह खून है राजघराने का हमारे कई ऐसे पूर्वज हुए जो बहुत ही शक्तिशाली रहे चाहे वो लाखन पासी हो या बिजली पासी, बीरा पासी, माहे पासी, सौली पासी, सीता पासी, व संतान पासी जिनके किले आज भी इतिहास के पन्नों पर खण्डहर बन चुके हैं बस हमें इतिहास जानने व पढ़ने की जरूरत है। कहा संविधान निर्माता बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर ने भी कहा था शिक्षित और संगठित होकर संघर्ष करो शिक्षा पर जोर देते हुए कहा। ÷शिक्षा वह शेरनी का दूध है जो जितना पिएगा उतनी तेज दहाड़ेगा÷। मान सम्मान स्वाभिमान हक अधिकारों की जानकारी के लिए हमारे समाज के बच्चों को अवश्य ही पढ़ाना होगा। कहा चाहे आधी रोटी खा लेना तुम गुजर-बसर कर लेना लेकिन अपने बच्चों को शिक्षा से वंचित मत करना क्योंकि हक और अधिकारो के लिए हमें लड़ना होगा लड़ने के लिए हमें पढ़ना होगा क्योंकि शिक्षा के बिना सब अधूरा है ग्रामीणों को प्रेम-भाव से मिलजुलकर बिना नशीले पदार्थों का सेवन किए बिना संगठित होकर रहने की बात कही। ग्रामीणों ने जय पासी जय पासी जय भीम जय संविधान के लगाएं जोरदार नारे। मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष डा मोहन लाल पासी, प्रदेश अध्यक्ष डी.पी.रावत, सामाजिक कार्यकर्ता बाबूलाल रावत, विधानसभा अध्यक्ष अजय रावत, महेन्द्र कुमार पासी पूर्व ग्राम प्रधान सजीवन लाल रावत, श्रीकृष्ण रावत, कार्यक्रम अध्यक्ष डा0 वीरेंद्र रावत, सेक्टर अध्यक्ष सुरेश रावत समेत सैकड़ों ग्रामीण रहे उपस्थित।

उपजिलाधिकारी ने मतदाता सूची पुनरीक्षण करने के दिये निर्देश

द अचीवर टाइम्स- नीरज शुक्ला/संदीप मौर्या

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी। मतदाता सूची पुनरीक्षण में नाम बढ़ाने तथा मृतकों के नाम पृथक करने एंव जेन्डर के अनुपात में महिलाओं के वोट बढ़ाने को लेकर क्षेत्र के उचित दर विक्रेताओं की दुकानों पर बी एल ओ को बैठा कर कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं। मंगलवार को उपजिलाधिकारी मो0शम्स तबरेज खान के निर्देश के क्रम में क्षेत्र के उचित दर विक्रेताओं की दुकानों पर पदाभिहित,व अन्य जो मतदाता सूची कार्य में लगाये गये हैं। उन्हें निर्देशित किया गया है कि मतदाता सूची में अधिक से अधिक वोट बढ़ाने महिलाओं के वोट जेन्डर के अनुपात में वोट बढ़ाने 18 वर्ष से 19 वर्ष के मतदाताओं के वोट युद्धस्तर पर बढ़ाने के साथ ही साथ 80 वर्ष की आयु वाले मतदाताओं की जांच करने आदि विषयक जानकारी दी है। एस डी एम सिरौलीगौसपुर व तहसीलदार ने क्षेत्र के सीहामऊ मरकामऊ आदि उचित दर विक्रेताओं की दुकानों पर बैठाये गये पदाभिहित के कार्यो का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं।

बिना परमिट संचालित बसों पर परिवहन विभाग मेहरबान

❖ कोराना काल से मियागंज चौराहे से बिना परमिट अंतरराज्यीय बसें संचालित हो रही है सवारियों से वसूला जा रहा मनमाना किराया और की जा रही है मादक पदार्थों की तस्करी।

द अचीवर टाइम्स संवाददाता कुन्दन सिंह

मियागंज, उन्नाव। आसीवन क्षेत्र से मियागंज चौराहे से अंतराज्यीय बसे संचालित हो रही जिसमें चौराहे पर दलालों का जमावड़ा लगा रहता है और सवारियों के साथ खीचातानी करते हैं और प्रति सवारी बस संचालकों से दो सौ से तीन सौ तक लिया जाता है जिसका भार संचालकों द्वारा सवारियों से वहन किया जाता है जिससे यह प्रतीत होता है कि कहीं न कहीं परिवहन विभाग व पुलिस विभाग की सह से अड्डे संचालित हो रहे है। सवारियों के साथ साथ होती है मादक पदार्थों की तस्करी अभी दो माह पूर्व यहीं से संचालित बस में चंडीगढ़ बार्डर पर चेकिंग के दौरान दो बैगों में लगभग पचास किलो गांजा बरामद हुआ था उसमें औरास क्षेत्र एक पवन नामक व्यक्ति गिरफ्तार हुआ था उसके पंद्रह दिन पहले यहीं से संचालित बस में आगरा में एक बैग में 35 किलो लगभग 35 किलो गांजा बरामद हुआ था उसमें कोई व्यक्ति गिरफ्तार नहीं हुआ था वह लावारिस घोषित हुआ था इससे यह साफ जाहिर होता है कि कहीं ना कहीं मादक पदार्थों का इन बसों से बहुत बड़ा गोरख धंधा चल रहा है और प्रशासन जानकर भी अनजान बना हुआ है।

चौमुखी दीपक प्रज्वलित की भगवान काल भैरव के बटुक अवतार की पूजा

लखनऊ। भगवान काल भैरवनाथ की जयंती पर मंगलवार को अमीनाबाद के गुईन रोड पर स्थित उनके 700 साल पुराने बटुक मंदिर में विधि-विधान से पूजन कर चौमुखी दीपकों को प्रज्ज्वलित किया गया। मंगलवार को एक ओर चिप्स टॉफी, गांजा, भांग, इमरती और मदिरा चढ़ाकर भगवान भैरव नाथ को खुश किया जा रहा था तो दूसरी ओर काले कपड़ों में तांत्रिक वेद मंत्र संग हवन कर रहे थे। भैरव नाथ का बटुक मंदिर प्रदेश का एक मात्र ऐसा मंदिर है जहां काल भैरव का बटुक अवतार है। इस दौरान मंदिर के बाहर चौमुखी दीपकों को खरीदते भक्तों की भीड़ देर रात तक रही।

विकासखंड रामनगर के गौशालाओं का बुरा हाल मवेशी खुले में रहने को विवश

द अचीवर टाइम्स- नीरज शुक्ला

रामनगर बाराबंकी। विकासखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत लैन, थाल खुर्द, सिलौटा, कटियारा, अमोली कीरतपुर, मलौली व निजामपुर में स्थित गौआश्रय स्थल में पर्याप्त टीन शेड न होने की वजह से इस ठंडक में हुई बारिश के कारण कीचड़ आदि में खुले में रहकर ठिठुरने को मवेशी विवश है। बारिश होने के कारण गौ आश्रय स्थल परिसर में जगह-जगह जल भराव व कीचड़ होने के कारण गौ वंश को काफी परेशानियों का सामना भी करना पड़ रहा है। उन गौ आश्रय स्थलों की हालत बेहद खस्ता है जहां पर केयरटेकर के रुकने की भी व्यवस्था नहीं है। हमारे संवाददाता ने जब उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. सचान से इस संबंध में जानकारी प्राप्त की तो उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत लैन के गौशाला में 423 मवेशियों के सापेक्ष एक टीन शेड है जिसमें अधिकतम 160 जानवरों के ठंडक से बचने की व्यवस्था है ,दो शेड की डिमांड है ।एक शेड का निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है थाल खुर्द से 515 जानवरों के सापेक्ष तीन शेड हैं, जिसमें 450 के आसपास जानवर ठंड से बचाव कर सकते हैं। सिलौटा में 371 जानवर है जहां पर दो शेड बने हुए हैं और एक की डिमांड है। कटियारा में 681 मवेशियों के सापेक्ष चार शेड बने हुए हैं। अमोली कीरतपुर में 434 जानवरों के सापेक्ष तीन शेड बने हुए हैं एक का निर्माण जारी है। मलौली में 432 मवेशियों के सापेक्ष एक शेड बना हुआ है और एक का निर्माण जारी होना है। निजामपुर में 480 जानवरों के सापेक्ष दो शेड बने हुए हैं और दो शेडोंओं का निर्माण होना है।अधिकांश गौशालाओं में पर्याप्त शेड न होने के कारण सर्द भरी रातों में मवेशी खुले आसमान के नीचे रहने को विवश है ।हालांकि गौशालाओं में दो-चार जगह अलाव जलाए जाते हैं लेकिन खुले में दो-चार अलाव इन मवेशियों के लिए नाकाफी हैं। हमारे संवाददाता ने इस संबंध में जानकारी प्राप्त की तो पता चला कि गौशाला निर्माण का पिछला भुगतान भी नहीं हो पाया। लैन गौशाला का लगभग 26 लाख रुपए का पिछला भुगतान नहीं हो पाया है।, हालांकि प्रधान की माने तो अधिकारियों का लगातार दबाव टीन शेड बनाए जाने को लेकर जारी है ।लेकिन सवाल यह उठता है कि जब पिछला भुगतान अभी तक नहीं हो पाया तो आखिर प्रधान नये टीन शेड का निर्माण कैसे करवाये।अगर इतना ही अधिकारियों को कार्य के प्रति सजगता दिखाना था तो ठंडक शुरुआत होने से पहले ही टीन शेडों के निर्माण का प्रयास क्यों नहीं किया गया ? जब ठंड चरमोत्कर्ष की ओर बढ़ रही है तो अधिकारियों को गौआश्रय स्थल में बंद मवेशियों को ठंडक से बचाने के लिए टीनशेड निर्माण के लिए दबाव पर दबाव डाला जा रहा है ।यदि यही समय रहते अधिकारी चेत जाते तो शायद इस सर्द मौसम की रातें मवेशियों को न झेलनी पड़ती और मवेशी भी आराम से टीन शेड में रात व्यतीत करते।

जंगली जानवर के हमले में एक महिला घायल

द अचीवर टाइम्स रमेश चन्द्र

लखीमपुर खीरी। गोला वनरेंज के अंतर्गत आने वाले ग्राम बहरगंज की एक महिला सरला देवी पत्नी शारदा प्रसाद उम्र 38 महिला को जंगली जानवर ने हमला कर घायल कर दिया।दिनांक 05-12-2023को दोपहर 3-30बजे सरला देवी गाँव से कुछ दूरी पर बकरी चराने गई महिला को जंगली जानवर एका-एक हमला कर दिया।जिससे महिला काफी घायल हो गई।महिला के शोर मचाने पर अन्य महिलाओं ने शोर मचाया जिससे जंगली जानवर गन्ने के खेत में भाग गया।गर।ग्रामीणों ने वनरेंज को फोन पर सूचना दी सूचना मिलते ही वनरेंज के अधिकारियों वन क्षेत्रअधिकारी संजीव कुमार तिवारी ने अपनी टीम घटना स्थल पर भेजी है।ग्रामीणों ने 108 एम्बुलेंस को फोन कर घायल महिला को अस्पताल पहुचाया। प्राथमिक उपचार के बाद महिला को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

कम नहीं हो रही दुर्घटना में होने वाली मौतों की संख्या

शादी के लिए किडनैपिंग सबसे ज्यादा, प्रेम संबंधों में हुई 253 हत्याएं

संवाददाता

लखनऊ। तमाम कवायदों के बाद भी महिलाओं और बच्चों के साथ होने वाले अपराध में कमी नहीं हो रही है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की वर्ष 2022 की रिपोर्ट के मुताबिक उत्तर प्रदेश में महिलाओं और बच्चों के साथ होने वाले अपराधों में बीते सालों के मुकाबले इजाफा हुआ है। हालांकि हत्या के मामलों में कमी दर्ज की गयी है। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतें कम करने की तमाम कवायदों के बावजूद वर्ष 2022 में यूपी में 21,392 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। वर्ष 2021 में यूपी में 18,972 लोगों की सड़क दुर्घटना में मृत्यु हुई थी। आबादी के हिसाब से तुलना करें, तो सड़क दुर्घटना में होने वाली मौत के मामले में यूपी देश में 14वें स्थान पर आता है। वहीं यूपी में हिट एंड रन के सबसे ज्यादा 16,343 मामले बीते वर्ष दर्ज किए गये। वर्ष 2021 में इनकी संख्या 14,510 थी। इसमें भी करीब दस फीसद से अधिक का इजाफा दर्ज किया गया है। एनसीआरबी की रिपोर्ट के मुताबिक मध्य प्रदेश में हिट एंड रन के मामले होने की दर यूपी से अधिक है। उल्लेखनीय है कि बीते दो वर्ष के दौरान यूपी में रेल दुर्घटना में किसी भी व्यक्ति की मृत्यु नहीं हुई है।

पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण पर कार्रवाई कम

उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र के बाद देश में पर्यावरण संरक्षण से संबंधित सबसे ज्यादा मामले बीते वर्ष यूपी में दर्ज हुए। महाराष्ट्र में इनकी संख्या 198 थी, जबकि यूपी में 103 मामले दर्ज हुए थे। वहीं बाकी राज्यों में इस अधिनियम के तहत दर्ज होने वाले मुकदमों की संख्या नगण्य रही। हालांकि यदि पर्यावरण एवं प्रदूषण संबंधी समस्त कानूनों की बात करें तो इसके तहत कार्रवाई करने में यूपी देश में पांचवें स्थान पर है। हालांकि ध्वनि प्रदूषण के मामले में यूपी में कार्रवाई पड़ोसी राज्य राजस्थान के मुकाबले नगण्य रही। राजस्थान में धवनि प्रदूषण से संबंधित 7300 मामले दर्ज हुए, जबकि यूपी में केवल एक मामला दर्ज हुआ।

एसिड अटैक के मामले बढ़े

महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों में सबसे जघन्य माने जाने वाले एसिड अटैक के 30 मामले बीते वर्ष दर्ज किए गये, जो वर्ष 2021 से अधिक हैं। वर्ष 2022 में एसिड अटैक के पीड़ितों की संख्या 32 रही। जबकि वर्ष 2021 में यह संख्या 25 थी। वर्ष 2022 में महिलाओं के शारीरिक शोषण के 4533 मामले दर्ज हुए, वर्ष 2021 में यह संख्या 3557 थी। हालांकि अन्य राज्यों की तुलना में यूपी में इनकी दर कम है। कार्यस्थल पर महिलाओं के शारीरिक शोषण के छह मामले यूपी में दर्ज हुए। वर्ष 2021 में इसकी संख्या 17 थी।

सरकारी कर्मचारियों पर हमले के 240 मामले

यूपी में वर्ष 2022 में सरकारी कार्य करने के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर हमले के 240 मामले दर्ज किए गये, जिसमें पीड़ितों की संख्या 246 थी। गोवा में इसकी दर सबसे ज्यादा है। वहीं यूपी देश भर में नौवें स्थान पर है।

शादी के लिए किडनैपिंग

एनसीआरबी की रिपोर्ट में चौंकाने वाला तथ्य है कि यूपी में शादी के लिए अपहरण की घटनाएं सबसे ज्यादा होती हैं। हालांकि आबादी के हिसाब से तुलना करें तो बिहार में इसकी दर सबसे ज्यादा है। यूपी में बीते वर्ष शादी के लिए अपहरण के 9598 मामले दर्ज किए गये थे।

यूपी में होने वाले अपराधों पर एक नजर

- यूपी में बीते वर्ष सांप्रदायिक दंगा नहीं हुआ। हालांकि दो समुदायों के बीच दुश्मनी पैदा करने के देश में सर्वाधिक 217 मामले यूपी में दर्ज किए गये थे। बीते वर्ष सार्वजनिक परिवहन के साधनों में महिलाओं के साथ शारीरिक शोषण होने के सबसे ज्यादा 87 मामले यूपी में दर्ज हुए। शेल्टर होम्स में महिलाओं और बच्चों के साथ होने वाले शारीरिक शोषण के 126 मामले बीते वर्ष दर्ज किए गये। पति तथा उसके रिश्तेदारों द्वारा किए जाने वाले अत्याचार के 20,371 मामले दर्ज हुए, जिसमें पीड़ितों की संख्या 20,511 थी। आबादी के हिसाब से तुलना करने पर अन्य राज्यों के मुकाबले यूपी में क्राइम रेट कम है। वहीं अपराधियों को सजा दिलाने में यूपी बीते कई सालों से पहले स्थान पर है। - प्रशांत कुमार, स्पेशल डीजी कानून-व्यवस्था

महिलाओं और बच्चों के साथ होने वाले अपराधों में हुआ इजाफा

तमाम कवायदों के बाद भी महिलाओं और बच्चों के साथ होने वाले अपराध में कमी नहीं हो रही है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की वर्ष 2022 की रिपोर्ट के मुताबिक उत्तर प्रदेश में महिलाओं और बच्चों के साथ होने वाले अपराधों में बीते सालों के मुकाबले इजाफा हुआ है।

प्रेम संबंधों में हुई 253 हत्याएं

बता दें कि वर्ष 2022 में प्रेम संबंधों में 253 हत्याएं हुई, जबकि अवैध संबंधों में होने वाली हत्याओं की संख्या 38 रही। डकैती और लूट के दौरान सात लोगों की हत्या हुई। मानव अंग बेचने के लिए सात हत्या के मामले सामने आए। आपराधिक गिरोहों के बीच दुश्मनी को लेकर कुल 14 हत्याएं हुई। आपसी विवाद में 710 हत्याएं हुई, जबकि ऑनर किलिंग को लेकर हत्या का कोई भी मामला दर्ज नहीं हुआ।

वर्ष 2022 में हुए अपराधों के आंकड़ें

दहेज हत्या - 2138
बलात्कार- 3690
बलात्कार का प्रयास- 198
दंगे- 4478
लूट- 1975
डकैती- 80
रंगदारी- 366

एक नज़र

खाड़ी देशों से फंडिंग वाले 108 मदरसे एसआईटी के रडार पर, मांगा गया खातों का ब्यौरा

संवाददाता

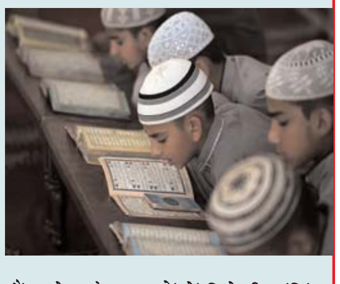

लखनऊ। प्रदेश के मदरसों में विदेशी फंडिंग की जांच के लिए गठित एसआईटी को अहम सुराग मिलने लगे हैं। एसआईटी की अब तक की जांच में प्रदेश के 108 मदरसों में विदेशी फंडिंग होने के पुख्ता प्रमाण हाथ लगे हैं। प्रदेश के मदरसों में विदेशी फंडिंग की जांच के लिए गठित एसआईटी को अहम सुराग मिलने लगे हैं। एसआईटी की अब तक की जांच में प्रदेश के 108 मदरसों में विदेशी फंडिंग होने के पुख्ता प्रमाण हाथ लगे हैं। एसआईटी ने इन मदरसों के आय-व्यय और बैंक खातों का ब्योरा तलब किया है। बता दें कि एसआईटी विदेशी फंडिंग के सुराग तलाशने के लिए प्रदेश के समस्त 24 हजार मदरसों की जांच कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक करीब पांच हजार मदरसों की पड़ताल में 108 में खाड़ी देशों से शिक्षा के लिए रकम भेजने की पुष्टि हुई है। हालांकि यह पता लगाया जाना बाकी है कि इस रकम का इस्तेमाल वास्तव में शिक्षण कार्यों के लिए हो रहा है, अथवा देशविरोधी कृत्यों को अंजाम देने के लिए इसे संदिग्ध संगठनों को भेजा जा रहा है। एसआईटी की जांच में खाड़ी देशों से शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए करीब 150 करोड़ रुपये भेजे जाने की पुष्टि हो चुकी है। यह रकम किन संगठनों के द्वारा भेजी जा रही है, इसका पता लगाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का सहयोग भी लिया जा रहा है।

पहले ऐसा नहीं था दिसंबर का मौसम, विज्ञानी भी पढ़ रहे मिजाज, किसान बोले - समझ में नहीं आ रहा

एजेंसी

लखनऊ। दिसंबर के मौसम में कभी पूरे दिन बारिश तो अगले दिन तापमान का बढ़ जाना। मौसम के मिजाज को विज्ञानी समझने का प्रयास कर रहे हैं। वहीं, किसानों का कहना है कि कुछ समझ में नहीं आ रहा है। पहले शुक्रवार को बूंदाबांदी हुई। फिर रविवार को तेज धूप। अब सोमवार को सुबह से शाम तक रुक रुककर बूंदाबांदी होती रही। 24 घंटे में अधिकतम और न्यूनतम तापमान चार डिग्री सेल्सियस गिर गया। दिसंबर में मौसम में ऐसा उतार-चढ़ाव कभी-कभी ही दिखाई पड़ता है। कभी ठंड का अहसास होता है, कभी गर्मी लगने लगती है। दिन में घरों और दफ्तरों में पंखे भी चलते हैं। कहीं लोग गर्म कपड़ों में दिखते हैं, कहीं बिना गर्म कपड़ों के। मौसम के इस मिजाज को विज्ञानी भी पढ़ रहे हैं। बताते हैं कि यह उतार चढ़ाव जलवायु परिवर्तन का असर है। इसके नुकसान भी हैं। शनिवार से सोमवार तक के मौसम पर नजर डालें तो इसके तीन रंग दिखते हैं। रविवार सुबह पानी बरसा। दिन में मौसम साफ हो गया। सोमवार को इतनी चटख धूप हो गई कि स्वेटर, जैकेट पहनने वालों को उतारना पड़ गया। रविवार की रात भी मौसम ने करवट ले ली। सुबह से बादल उमड़ने-घुमड़ने लगे। बूंदाबांदी शुरू हो गई। तीन दिन से तापमान में भारी उलटफेर है। शनिवार को अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रहा। यह सामान्य से डेढ़ डिग्री ज्यादा था। न्यूनतम तापमान 14 था। यह सामान्य से 4.1 डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहा। रविवार को अधिकतम तापमान 30.5 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। यह सामान्य से 4.5 डिग्री ज्यादा था। न्यूनतम 15 था। यह भी सामान्य से 3.5 डिग्री ज्यादा रहा। सोमवार को तापमान 25 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। यह सामान्य से .5 डिग्री सेल्सियस कम। न्यूनतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। यह सामान्य से 4.5 डिग्री ज्यादा है। बूंदाबांदी हो रही है। नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञानी अमरनाथ मिश्र कहते हैं कि ऐसा कुछ वर्षो पहले नहीं था। जलवायु परिवर्तन हो रहा है। प्रदूषण बढ़ा है। मौसम पर अलनीनों का प्रभाव पड़ रहा है। जहां बारिश कम होनी है, वहां ज्यादा हो रही है। पहाड़ों पर हवा का दबाव है। मौसम शिफ्ट हो रहा है। बार-बार मौसम में व्यवधान हो रहा है। सारे तथ्य एक साथ प्रभावी हो गए। मौसम में गर्मी बढ़ी तो पहाड़ से हवाएं मैदान की ओर आ गई। ज्यादा बारिश होने की संभावना नहीं है, लेकिन दिसंबर का मौसम पहले जैसा नहीं रहा। इसका दूर तक प्रभाव पड़ेगा।

खेती-किसानी पर भी असर

किसान राम शंकर कहते हैं कि मौसम समझ में नही आ रहा है। कभी गर्मी होती है, कभी ठंड बढ़ जाती है। बोआई प्रभावित हो रही है। राम मोहन कहते हैं कि बूंदाबांदी के कारण पलेवा वाले खेतों में बोआई के लिए मिट्टी नहीं तैयार हो पा रहा है।

सीएम योगी ने 2468 को सौंपा नियुक्ति पत्र

प्रधानाचार्य और शिक्षक भी ओपीडी में देखें मरीजः सीएम योगी

संवाददाता

लखनऊ। सीएम योगी ने मिशन रोजगार के तहत निष्पक्ष एवं पारदर्शी चयन प्रक्रिया के माध्यम से 278 सहायक आचार्य, 2142 स्टाफ नर्स, 48 आयुष चिकित्सा शिक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरित किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को 2468 नव चयनित चिकित्सा शिक्षकों एवं स्टाफ नर्स को नियुक्ति पत्र देते हुए मरीजों की सेवा में जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेजों के प्रधानाचार्य और शिक्षक खुद भी ओपीडी में बैठें। मरीजों का दर्द दूर करें। ओपीडी में बैठने से उन्हें व्यवस्था सुधार संबंधी जानकारी मिलेगी। उन्होंने कहा कि एलोपैथ और आयुष चिकित्सा

पद्धतियों में नए-नए शोध की जरूरत है। चिकित्सा शिक्षक इसमें अपना योगदान दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि मिशन रोजगार के तहत स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालयों में 278 सहायक आचार्य, 2142 स्टाफ नर्स एवं 48 आयुष चिकित्सा शिक्षकों का चयन किया गया है। इससे स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होगा। प्रधानाचार्य संबंधित कॉलेज का प्रमुख होता है। उसका जैसा व्यवहार होगा, उसी तरह से संबंधित कॉलेज की व्यवस्थाएं होंगी। यदि वह देर से कॉलेज पहुंचेगा तो वहां के अन्य डॉक्टर भी देर से आएंगे। ऐसे में मरीज उसके प्रति अपशब्द बोलेंगे। इसलिए प्रधानाचार्य व चिकित्सा शिक्षक खुद मरीजों से संपर्क रखते हुए मासिक और वार्षिक रिपोर्ट का संकलन करें। बहुत सारी बीमारियों का स्थानीय परिस्थिति के अनुसार उपचार ढूंढे। उन्होंने इंसेफेलाइटिस का उदाहरण देते हुए कहा कि 40 साल में 50 हजार से ज्यादा बच्चों की मौत हुई, लेकिन वर्ष 2017 के बाद सभी विभागों का समन्वय स्थापित करते हुए अभियान चलाया गया। अब बच्चों की मौत नहीं होती हैं। सीएम ने कहा कि पहले जाति के नाम पर समाज को बांटा जा रहा था। लोग अपना वोटबैंक बनाते रहे, लेकिन 2017 के बाद से यह बीमारी पूरी तरह से नियंत्रित हो गई है। कार्यक्रम के दौरान चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने स्वागत किया और आयुष मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डा. दयाशंकर मिश्र दयालु ने आभार जताया। इस दौरान मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा, आयुष प्रमुख सचिव लीना जौहरी, निदेशक आयुर्वेद प्रो पीसी सक्सेना सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

करियर के साथ सेवा का मौका

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में नौकरी मिलना सौभाग्य की बात है। करियर के साथ सेवा का भी मौका मिला है। मरीजों से प्रेम पूर्वक बात करें। उनका दुख हरें। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति के पास कितनी भी धन सम्पदा क्यों न हो, यदि उसका स्वास्थ्य उत्तम नहीं है, तो इसका कोई मूल्य नहीं है। हमारी परम्परा भी कहती है कि 'शरीरमाद्यं खलु धर्म साधनम्' अर्थात् धर्म के जितने भी साधन हैं, वह सभी स्वस्थ शरीर से ही सम्भव होते हैं। इसलिए लोगों को सेहतमंद करने में अपना योगदान दें।

674 एम्बुलेंस एवं 81एएलएस एम्बुलेंस को किया रवाना

मुख्मयंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम के दौरान नवचयनित पांच चिकित्सा शिक्षकों, सात स्टाफ नर्सों एवं पांच आयुष चिकित्सा शिक्षकों को नियुक्ति पत्र दिया। 674 एम्बुलेंस एवं 81 एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस का हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि 2017 के पहले केंद्र सरकार ने 150 एएलएस एंबुलेंस देने का प्रयास किया, लेकिन तत्कालीन सरकार ने लेने से मना कर दिया था, लेकिन 2017 में तत्कालीन चिकित्सा मंत्री को केंद्र में भेजकर एंबुलेंस मंगवाई गई।

मरीजों को भगवान मान कर उपचार करें : पाठक

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि नियुक्ति पाने वाले चिकित्सा शिक्षक, नर्सिंग कर्मी मरीजों को भगवान मान कर सेवा करें। उनके साथ परिवार की तरह व्यवहार रखें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हर जिले में मेडिकल कॉलेज खोलने के साथ ही नर्सिंग शिक्षा की गुणवत्ता भी बढ़ाई जा रही है। नर्सिंग एवं पैरा मेडिकल कॉलेजों की स्व परीक्षा प्रणाणी खत्म किया गया है। इसका फायदा पूरे प्रदेश को मिलेगा।

उत्तर प्रदेश में 1000 अत्याधुनिक बसों के जरिए रोडवेज परिवहन का परिदृष्य बदलेगी सरकार

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की उन्नति का मार्ग प्रशस्त कर रही योगी सरकार ने प्रदेश में रोडवेज बसों को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस करने व नई 1000 बसों को बेड़े में जोड़े जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उत्तर प्रदेश की उन्नति का मार्ग प्रशस्त कर रही योगी सरकार ने प्रदेश में रोडवेज बसों को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस करने व नई 1000 बसों को बेड़े में जोड़े जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। वर्ष 2023-24 में उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) के बेड़े में 1000 अत्याधुनिक बसों को जोड़े जाने के लिए 400 करोड़ रुपए का बजट स्वीकृत किया गया था। ऐसे में, हाल ही में हुई कैबिनेट बैठक में बसों के बेड़े के सुदृढ़ीकरण की प्रक्रिया को मंजूरी देते हुए अब 400 करोड़ रुपए के सापेक्ष दूसरी किस्त के तौर पर 200 करोड़ रुपए की धनराशि जारी कर दी गई है। इससे पहले, पहली किस्त के तौर पर 200 करोड़ रुपए का धनवांटन किया जा चुका है। ऐसे में, कार्ययोजना के क्रियान्वयन के लिए अवशेष धनराशि जारी होने के बाद अब अत्याधुनिक बसों की खरीद व फ्लीट में शामिल होने की प्रक्रिया में तेजी आएगी, साथ ही पुरानी बसों के रखरखाव व मरम्मत प्रक्रिया को भी गति मिलेगी।

उत्तर प्रदेश शासन की रूलबुक के अनुसार प्रक्रिया की जाएगी पूरी

इन 1000 बसों के क्रय व बेड़े में शामिल की जाने की प्रक्रिया को वित्तीय वर्ष 2023-24 के भीतर पूर्ण करने का टारगेट रखा गया है। इस संबंध में सभी क्रय व सुदृढ़ीकरण प्रक्रिया को परिवहन आयुक्त की देखरेख में उत्तर प्रदेश शासन की रूलबुक के अनुसार पूर्ण किया जाएगा। बसों के कार्बन उत्सर्जन को कम से कम रखने के लिए पर्यावरणीय नियमों/ अधिनियमों व ईआईए अधिसूचना 2006 (संशोधित) के आधीन वांछित पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त करने, पर्यावरणीय नियमों व न्यायालयों के निर्गत आदेशों के अनुपालन को भी सुनिश्चित किया जाएगा। खास बात यह है कि प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद प्रदेश में लोगों को यूपीएसआरटीसी की बसों में यात्रा करना न केवल पहले की अपेक्षा सुविधापूर्ण व आरामजनक होगा बल्कि उन्हें सुखद यात्रा के नए अनुभव भी प्रदान करेगा।

राज्य परिवहन अपीलीय न्यायाधिकरण के लिए भी धनराशि हुई जारी

वित्तीय वर्ष 2023-24 में राज्य परिवहन अपीलीय न्यायाधिकरण के लिए भी कई कार्यों की पूर्ति व व्यय मद के लिए धनावंटन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अनुपूरक बजट के माध्यम से प्रावधानित धनराशि की सापेक्ष 82 लाख रुपए की धनराशि को प्रशासकीय व वित्तीय स्वीकृति के बाद जारी कर दिया गया है। इस धनराशि का इस्तेमाल स्थानांतरण यात्रा व्यय, गाड़ियों के अनुरक्षण व पेट्रोल खरीद तथा पुनरीक्षित वेतन के अवशेष (राजकीय) के तौर पर किया जाएगा। आवंटित की गई धनराशि को बजट मैनुअल व फाइनेंशियल हैंडबुक के नियमों के अनुसार खर्च किया जाएगा।

फीजियोथैरेपिस्ट ने पत्नी का गला रेतकर मार डाला

बच्चे सोकर उठे तो खून लथपथ लाश मिली

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के ठाकुरगंज इलाके में एक फीजियोथैरेपिस्ट ने अपनी पत्नी की गला रेतकर हत्या कर दी और फरार हो गया। राजधानी लखनऊ के ठाकुरगंज के रोशननगर में एक फीजियोथैरेपिस्ट ने सोमवार रात पत्नी की गला रेतकर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देकर आरोपी पति भाग गया। सुबह जब बच्चे सोकर उठे तो कमरे में खून से लथपथ मां का शव देखा। तभी मृतका की मां भी वहां पहुंच गई। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतका का पति फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। रोशननगर निवासी आनंदेश्वर अग्रहरि ने नाका निवासी संध्या साहू (38) से करीब 15 साल पहले लव मैरिज की थी।

उनके दो बेटे तनिष्क (11) व छोटा बेटा शौर्य (09) है। तनिष्क डेफ है। पुलिस के मुताबिक अब तक जांच में सामने आया कि बीती रात किसी बात पर हुए विवाद के बाद आनंदेश्वर ने संध्या की गला रेतकर हत्या कर दी। कुछ देर तक वहां रहने के बाद सुबह होने के पहले वह घर छोड़कर चला गया। इधर सुबह दोनों बेटे जब उठे तो कुछ देर बाद देखा कि मां खून से सनी पड़ी हुई हैं। इस बीच संध्या की मां कमला साहू भी वहां पहुंच गई तब पुलिस को सूचना दी गई। एसीपी चौक सुनील शर्मा ने बताया कि प्रकरण की जांच की जा रही है। आनंदेश्वर की तलाश में टीमें लगाई गई हैं। वह जल्द पकड़ा जाएगा। वारदात की वजह पता की जा रही है।

बांके बिहारी मंदिर की होगी फसाड लाइटिंग, 2.22 करोड़ स्वीकृत, म्यूजियम में भी लगेगी लाइट

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री पर्यटन विकास सहभागिता योजना के तहत मथुरा में लगभग 2.22 करोड़ रुपये से बांके बिहारी मंदिर और डेम्पियर नगर स्थित म्यूजियम की फसाड लाइटिंग की जायेगी। प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री पर्यटन विकास सहभागिता योजना के तहत प्रदेश की सभी विधानसभाओं में पर्यटन स्थल विकसित किए जा रहे हैं। इसके तहत मथुरा में लगभग 2.22 करोड़ रुपये से बांके बिहारी मंदिर और डेम्पियर नगर स्थित म्यूजियम की फसाड लाइटिंग की जायेगी। इसके पहले मथुरा में ही 4.59 करोड़ रुपये विभिन्न सड़कों पर प्रकाश व्यवस्था के लिए स्वीकृत हुए थे। हाथरस में 1.43 करोड़ रुपये से अमृत सरोवर के पर्यटन विकास के लिए मंजूर हुए थे। वहीं योजना के तहत लखनऊ के अलीगंज स्थित हनुमान जी मंदिर के पर्यटन विकास के लिए स्वीकृत की गई थी। पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि प्रदेश में पर्यटन के दृष्टिकोण से मथुरा-वृंदावन काफी महत्वपूर्ण है। योजना के तहत मथुरा में होने वाले काम की 50 प्रतिशत राशि राज्य सरकार और 50 प्रतिशत मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण मथुरा उपलब्ध करायेगा।

सम्पादकीय

कैसे हुआ देश की सबसे बड़ी रियासत का भारत संघ में विलय?

जम्मू-कश्मीर का 26 अक्टूबर 1947 और जूनागढ़ का 20 फरवरी 1948 को भारत में विलय हो गया। लेकिन हैदराबाद रियासत के निजाम ने किसी भी कीमत पर भारत में विलय के प्रस्ताव को नामंजूर करते हुए खुद को स्वतंत्र रहने का एलान कर दिया था। आजाद भारत के लिए न तो भौगोलिक रूप से और न ही सांस्कृतिक और राजनीतिक रूप से यह संभव था कि हैदराबाद देश के बीचो-बीच एक नासूर की तरह बना रहे। 15 अगस्त 1947 को भारत को आजादी तो मिली लेकिन छत-विछत रूप में। अंग्रेजों ने देश का बंटवारा तो कर ही दिया था साथ में 565 देशी रियासतों को हवा में लटकता छोड़ दिया। जिन्हें अंग्रेजों की कूटनीति के चलते भारतीय संघ में शामिल होने या न होने का अधिकार दे दिया गया था। हैदराबाद, जम्मू-कश्मीर और जूनागढ़ रियासतों ने अंग्रेजों के इसी चाल का फायदा उठाते हुए भारत में विलय नहीं कर स्वतंत्र रहने की बात कही। ऐसी प्रतिकूल स्थिति में राष्ट्र की एकता और अखंडता को हर तरह से खतरा था। इस खतरे को देखते हुए ही आजाद भारत के पहले गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल ने तमाम मुश्किलों और चुनौतियों का सामना करते हुए न सिर्फ इन रियासतों का भारत संघ में विलय कर भारत को सुदृढ़ किया बल्कि उसे स्थायित्व भी प्रदान किया। आजाद भारत के एकीकरण की इस प्रक्रिया में सबसे आखिर में हैदराबाद रियासत का विलय हुआ। जो आजादी के एक साल बाद काफी संघर्ष के बाद संभव हुआ और तब कहीं जा कर भारत का एकीकरण पूर्ण हो पाया। इस वर्ष हैदराबाद के भारत में विलय की 75वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। लेकिन भारत की सबसे बड़ी रियासतों में से एक हैदराबाद के विलय की कहानी जितनी दिलचस्प है, उतनी ही संघर्षपूर्ण।

अंग्रेज जब देश छोड़कर जा रहे थे तब देश में करीब 565 देशी रियासतें मौजूद थी। अंग्रेजों ने इन देशी रियासतों को यह छूट दे दी थी कि वे अपनी मर्जी के मुताबिक भारत या पाकिस्तान, किसी में भी मिल सकते हैं या चाहें तो स्वतंत्र रह सकते हैं। इसके लिए उन्होंने रियासतों को चालीस दिन का समय दिया था। पूरे राष्ट्र का इस तरह छोटे-बड़े खंडों में बंटे रहना आर्थिक-सामाजिक प्रगति में बहुत बड़ी बाधा थी। राजनीतिक शक्ति के मामले में भी एक रियासत दूसरी रियासत से क्षेत्रफल और जनसंख्या आदि में काफी अलग थी। ऐसे में भारत की एकता और अखंडता के लिए इन रियासतों का विलय करना बेहद जरूरी था।

हरियाणा के डॉ. सत्यवान सौरभ को लखनऊ में 'पं. प्रताप नारायण मिश्र राष्ट्रीय युवा साहित्यकार सम्मान

भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा देशभर से चयनित छह साहित्यकारों में से एक विभूषित साहित्यकार डॉ सत्यवान सौरभ को पच्चीस हजार पुरस्कार राशि, अंग वस्त्र, सरस्वती प्रतिमा व पंडित प्रताप नारायण मिश्र रचित साहित्य उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य, वन एवं पर्यावरण मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण सक्सेना, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति प्रो. संजय सिंह और संयोजक प्रो. विजय कर्ण द्वारा लखनऊ के माधव सभागार में प्रदान किया गया। विभिन्न विषयों के साथ-साथ खास तौर पर सम्पादकीय और दोहे लिखने की महारत के फलस्वरूप इन्हें विभिन्न संस्थाओं द्वारा कई अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पुरस्कार और सम्मान से सम्मानित किया गया है। तितली है खामोश (दोहा संग्रह), कुदरत की पीर (निबंध संग्रह), यादें (ग़ज़ल संग्रह), परियों से संवाद (बाल काव्य संग्रह) और इश्यूज एंड पैन्स (अंग्रेजी निबंध संग्रह) डॉ. सौरभ की प्रमुख पुस्तकें हैं। हरियाणा के भिवानी जिले के बड़वा गाँव निवासी साहित्यकार, पत्रकार-लेखक डॉ सत्यवान सौरभ को भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा काव्य विधा में 'पं. प्रताप नारायण मिश्र युवा साहित्यकार सम्मान-2023' से नवाजा गया है। डॉ. सौरभ देशभर के समाचारपत्र-पत्रिकाओं एवं वेबसाइट्स के लिए विभिन्न मुद्दों पर निरंतर लेखन कर रहे हैं। उन्हें यह सम्मान उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य, वन एवं पर्यावरण मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण सक्सेना, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति प्रो. संजय सिंह, न्यास के अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश गोयल, सचिव राहुल सिंह और संयोजक प्रो. विजय कर्ण द्वारा लखनऊ के माधव सभागार में प्रदान किया गया। स्वास्थ्य कारणों के चलते उनके प्रतिनिधि साहित्यकार दीनदयाल शर्मा ने पुरस्कार ग्रहण किया। विगत 28 वर्षों से अवध प्रांत के जीवनदानी कार्यकर्ता स्व. प्रताप नारायण मिश्र की स्मृति में देश के युवा साहित्यकारों को सम्मानित करता आ रहा है। यह सम्मान प्रेरणास्पद साहित्य-सृजन के लिए दिया जाता है। विभूषित साहित्यकार डॉ सत्यवान सौरभ को पच्चीस हजार पुरस्कार राशि, अंग वस्त्र, सरस्वती प्रतिमा व पंडित प्रताप नारायण मिश्र रचित साहित्य भेंट किया गया। समभावी और विचारशील लेखक डॉ. सत्यवान सौरभ का जन्म हरियाणा के भिवानी के गाँव बड़वा में 03 मार्च 1989 को पिता श्री रामकुमार रिछपाल गैदर माता कौशल्या देवी के परिवार में सबसे बड़े पुत्र के रूप में हुआ। आपके प्रारंभिक जीवन का परिवेश कभी भी उत्साहवर्धक नहीं रहा, परिस्थितियां हमेशा विषम बनी रही। जीवन में उत्साह के परिवेश का उजास आपको जन्म के 22 साल बाद प्राप्त होना आरम्भ हुआ जब आपने सरकारी सेवा में प्रवेश किया और विभागीय कार्य करते हुए 2019 में राजनीति विज्ञान विषय से स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की तथा साथ ही पीएच. डी. के लिए पंजीकरण करवाया। आपका लेखन और जीवन लोगों को प्रेरित करते हैं कि हर कोई ये सोचने पर मजबूर हो जाता है कि विपरीत परिस्थितियों पर धैर्य से जीत हासिल की जा सकती है।

तूफानों से मत डरो, कर लो पैनी धार।
नाविक बैठे घाट पर, कब उतरें हैं पार।।
सुख-दु:ख जीवन की रही, बहुत पुरानी रीत।
जी लें, जी भर जिंदगी, हार मिले या जीत।।

सौरभ की उपलब्धियों पर उन्हें सैंकड़ों राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है। संपादकीय लेखक के रूप में आपका लेखन हरियाणा तक ही सीमित नहीं रह कर देश के संदर्भ में भी व्यापक स्वरूप लिए हैं। इनकी रचनाएं बड़ी संख्या में हज़ारों सरकारी एवं गैर सरकारी पत्र-पत्रिकाओं में निरंतर प्रकाशित हो रही हैं। वर्तमान के समाचार पत्रों में ने निरंतर आपकी रचनाओं को प्राथमिकता से प्रकाशित किया गया है। विभिन्न विषयों के साथ-साथ खास तौर पर सम्पादकीय और दोहे लिखने की महारत के फलस्वरूप इन्हें विभिन्न संस्थाओं द्वारा कई अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पुरस्कार और सम्मान से सम्मानित किया गया है। तितली है खामोश (दोहा संग्रह), कुदरत की पीर (निबंध संग्रह), यादें (ग़ज़ल संग्रह), परियों से संवाद (बाल काव्य संग्रह) और इश्यूज एंड पैन्स (अंग्रेजी निबंध संग्रह) डॉ. सौरभ की प्रमुख पुस्तकें हैं। अपने जीवन में कर्म की प्रधानता को प्रमुख मानते हुए हमेशा कर्म को ही सच्ची पूजा माना। अपने आप को सृजनात्मकता में लीन करने वाले डॉ. सत्यवान सौरभ ऐसे विचारशील लेखक हैं जो सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों को सतत रूप से संस्कारित, पल्लवित और संरक्षित रखने की दिशा में निरंतर प्रयासरत हैं।

सड़कों पर चढ़कर हर साल चिढ़ाता पानी

शहरों को बचाने के लिए विशेष कदम उठाने पड़ेंगे। 'वेटलैंड कमीशन' का गठन करना होगा। हमें भूमि का मूल चरित्र फिर से हासिल करने की तरफ ध्यान देना चाहिए.................................

शहरी बाढ़ भारत में मानसून की एक खासियत बन गई है। इससे हर साल हमारे शहर जूझते हैं। रास्ते नदी बन जाते हैं, रेलवे स्टेशन और बस अड्डे पानी में डूब जाते हैं, संचार बाधित हो जाता है, पड़ोस में जाना भी दूभर हो जाता है और कुछ जगहों पर लोग हफ्तों तक पानी से घिरे रहते हैं। इस अनिश्चित, अत्यधिक और बेमौसम बारिश का कारण जलवायु परिवर्तन माना जा सकता है, जिसका असर महिलाओं, बुजुर्गों, बच्चों और वंचित तबकों पर कहीं ज्यादा होता है। मगर इसके लिए हमारी मूढ़ता भी कम जिम्मेदार नहीं है। पहली मूर्खता, हम किसी जमीन पर यह जाने बिना हरित क्षेत्र का विकास करते हैं कि वहां पूर्व में कृषि की क्या स्थिति थी? उस भूमि को पहले समतल किया जाता है, फिर उसकी पारिस्थितिकी छीन ली जाती है और अंत में उसे अचल संपत्ति बना दिया जाता है। सर्वेक्षण और रिकॉर्ड रखने की प्रक्रियाओं में लगातार रद्दोबदल करने से उसे पहले बंजर भूमि और फिर 'प्राइम रियल एस्टेट' के रूप में ब्रांडिंग करने में मदद मिलती है। आज हमारे पास बेशक उचित कीमत पर ड्रोन से सर्वेक्षण करने की क्षमताएं हैं, पर हमारी पहुंच आधी सदी पहले किए गए भूसंपत्ति सर्वेक्षणों और 1970 के दशक में हवाई जहाज से ली गई तस्वीरों तक सीमित है। कुछ दशक पहले सीमा-चिह्नों के साथ तैयार नक्शे भी आज हमारे पास नहीं हैं। इन सबके बावजूद हम गेटेड सोसायटी, अपार्टमेंट व व्यावसायिक संपत्तियों में इजाफा देखते हैं, जिनको हम लेकव्यू, हिलटॉप जैसे नामों से भी जानते हैं। दूसरी, हमें यह भरोसा हो गया है कि हमारी सभी समस्याओं का समाधान निर्माण व विनिर्माण संबंधी प्रौद्योगिकियां, और तेजी के साथ विस्तार लेती सूचना प्रौद्योगिकी कर सकती है। इसलिए, शहरी योजना पर पुनर्विचार करने के बजाय हम उन प्रौद्योगिकियों की ओर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, जो बाढ़ की भविष्यवाणी कर सकती हैं और जलभराव जल्दी खत्म कर सकती हैं। इनमें से किसी का अब तक उपयोगी नतीजा नहीं निकल सका है। शहरी बाढ़ एक अत्यधिक स्थानीयकृत परिघटना है, जिसकी दशा-दिशा उसी तरह से साल-दर-साल बदलती रहती है, जिस तरह से अचल संपत्ति का ढांचा बदलता रहता है। तीसरी, लोगों की असमान रिहाइश ने अत्यधिक अस्थिर शहरी संरचनाओं को जन्म दिया है, जो मानसून की पहली बारिश में ही दम तोड़ने लगती हैं। जिन लोगों का स्थायी ठौर-ठिकाना नहीं होता, वे संपत्ति में निवेश करने से कतराते हैं। इसी तरह, कई बस्तियां दशकों से खराब दशा में हैं। वहां लोग ऐसी सामग्रियों का उपयोग करते हैं, जो उन्हें नाममात्र की सुरक्षा देती हैं। जैसे, एस्बेस्टस और प्लास्टिक। प्रकृति के कहर के सामने ये चीजें जल्द दम तोड़ देती हैं। चौथी, आपदाओं को लेकर हमारा नजरिया राहत और पुनर्वास पर केंद्रित रहा है। उपयोगी शहरी योजनाओं में बहुत कम निवेश किया गया है। हम किसी सरकार को विश्वसनीय इसी आधार पर मापते हैं कि वह कितनी जल्दी व कुशलता से लोगों को बचाती है और उन तक राहत पहुंचाती है। हमारा पूरा प्रयास बाढ़ की भविष्यवाणी करने वाली तकनीक, पानी निकालने के लिए पंपसेटों और पाइपलाइन पर निर्भर रहता है, जबकि बाढ़ अब बड़े शहरों तक सीमित नहीं हैं, छोटे शहरों में भी इनकी आमद बढ़ी है। जाहिर है, हमें अपने शहरों को बचाने के लिए विशेष कदम उठाने पड़ेंगे। सबसे पहले हमें 'वेटलैंड कमीशन' का गठन करना होगा। हमें भूमि का मूल चरित्र फिर से हासिल करने की तरफ ध्यान लगाना चाहिए। भारत के शहरों में यह रुझान व्यापक तौर पर दिखने लगा है कि तटीय इलाकों या जल के नजदीकी क्षेत्रों को निजी संपत्ति बना लिया जाए। यह काम इस अदूरदर्शी सोच के साथ किया जाता है कि इससे उस इलाके के बेहतर रख-रखाव में मदद मिलेगी। वास्तव में, संपत्ति चाहे सरकार की हो या निजी, उसकी सीमाएं बांध दी जाती है, जबकि जल का स्तर बदलता रहता है। लिहाजा हमें वेटलैंड, यानी आर्द्रभूमि, घास का मैदान और दलदली इलाका बनाकर इसका सम्मान करना चाहिए और संपत्ति व गैर-संपत्ति के रूप में जमीन को बांटकर उसे संरक्षित करना चाहिए। यह काम वेटलैंड कमीशन बनाकर किया जा सकता है। जरूरी यह भी है कि इस आयोग के पास आवश्यक कार्यकारी, राजस्व और न्यायिक शक्तियां हों।

दूसरा कदम है, 'स्पंज सिटी मिशन'। हमें स्थान-आधारित दृष्टिकोण अपनाने की कहीं ज्यादा जरूरत है। शहरों में बाढ़ तब आती है, जब बांध टूट जाते हैं और झीलों अथवा तालाबों से पानी का अत्यधिक बहाव शुरू हो जाता है। बादल फटने और चक्रवात जैसी चरम मौसमी घटनाओं से भी पानी का जमाव हो जाता है। हालांकि, बाढ़ की वजह आमतौर पर स्थानीय बुनियादी ढांचे की विफलता और उस तरह के निर्माण-कार्य हैं, जो पानी को अवशोषित नहीं कर पाते हैं। इसका समाधान 'पड़ोस में प्राकृतिक क्षेत्र' हो सकता है, जिसमें स्थानीय सामुदायिक ज्ञान महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इसके लिए हम स्पंज सिटी मिशन को गति दे सकते हैं, जिसका मकसद शहरी क्षेत्र को ऐसा रूप देना है कि वहां बारिश का पानी अवशोषित हो सके और बाढ़ को आने से रोका जा सके।

तीसरा, 'मेट्रोपॉलिटन प्लानिंग कमेटी'। शहरी बाढ़ खुद में कई अधिकार क्षेत्र को समेटे होती है। इसके अधिकतर समाधान इसलिए कारगर नहीं हो पाते, क्योंकि दो क्षेत्राधिकार एक-दूसरे के साथ पर्याप्त संवाद नहीं करते। इससे निपटने का एकमात्र तरीका एक ऐसा संगठन बनाना है, जिसके पास संयोजन से जुड़ी शक्ति हो। कई राज्यों में मुख्यमंत्री कार्यालय ही इस तरह की शक्ति वाला संस्थान बन गया है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि ऐसी संस्थागत क्षमताएं महानगरीय या क्षेत्रीय विकास प्राधिकरणों के पास हों। हम चाहें, तो 'मेट्रोपॉलिटन प्लानिंग कमेटी' को एक उपयोगी मंच बना सकते हैं, जिसकी कल्पना 74वें संविधान संशोधन में की गई थी। और अंतिम उपाय है, वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाना। हमें विज्ञान पर भरोसा करना होगा, फिर चाहे वह पदार्थों का विज्ञान हो, जलवायु का विज्ञान हो या जीवन का विज्ञान। जलवायु परिवर्तन मानव जीवन के अस्तित्व के लिए चुनौती है। हमें इस पर संजीदगी से ध्यान देना होगा, चाहे इसके लिए अपने तमाम साधनों का ही क्यों न इस्तेमाल करना पड़े।

राष्ट्र को तबाह कर देने वाली एक जिद

यह तय करना काफी मुश्किल है कि तानाशाह किसी मुल्क का सत्यानाश अपनी नीतियों से ज्यादा करते हैं या अपनी जिद से? कोई नीति कब जिद बन जाती है और कोई जिद ही अकेली नीति कब रह जाती है, इसकी थाह पाना भी आसान नहीं होता। इन दिनों उन नीतियों और जिदों की गणना चल रही है, जिनके चलते गोटबाया राजपक्षे ने उस पूरे श्रीलंका को ही दांव पर लगा दिया, जिसके लोगों ने उन्हें भारी समर्थन देकर अपना सिरमौर बनाया था। उनकी इन नीतियों और जिदों की फेहरिस्त हालांकि बहुत लंबी नहीं है, लेकिन फिलहाल हम एक जिद को ले रहे हैं, जिसका नाम है, ऑर्गेनिक यानी जैविक खेती। गोटबाया अगर जैविक खेती की जिद न करते, तब भी वह श्रीलंका को जिस रास्ते पर ले गए थे, उससे इस देश पर भारी आर्थिक संकट टूटने ही थे। ऊंचे पर्वतों और घने जंगलों वाला यह देश पिछले कुछ साल में जिस व्याधि का शिकार हुआ, चिकित्सा की भाषा में उसके लिए एक ही शब्द-समूह हो सकता है, 'मल्टीपल ऑर्गन फेल्योर', यानी जब शरीर के कई अंग काम करना बंद कर देते हैं। इस तरह के मरीज की जो हालत होती है, वही इस समय श्रीलंका की हो गई है। कृषि इनमें से महज एक अंग है, जिसकी कमर ऑर्गेनिक खेती की जिद ने तोड़ दी। अगर गोटबाया ऐसी जिद नहीं पालते, तो श्रीलंका में भले ही तमाम तरह की परेशानियां खड़ी हो जातीं, लेकिन वहां कम से कम भुखमरी की वैसी नौबत नहीं आती, जैसी फिलहाल आई हुई है। वैसे गोटबाया ने अपने चुनाव घोषणापत्र में वादा किया था कि अगले दस साल में देश को रासायनिक खेती से मुक्त कर दिया जाएगा। इसमें कोई बड़ी बात भी नहीं थी, क्योंकि दुनिया के कई देश इस समय ऐसी ही बात कर रहे हैं। स्विट्जरलैंड ने दावा किया है कि वह 2028 तक पूर्णत- जैविक खेती वाला देश बन जाएगा। मगर तब किसने सोचा था कि गोटबाया दस साल का कोई सिलसिला शुरू करें, उसके पहले ही उनका चुनावी वादा अचानक कहर बनकर टूट पड़ेगा।

गोटबाया ने बड़े गर्व के साथ संयुक्त राष्ट्र महासभा में यह घोषणा की थी कि श्रीलंका जैविक खेती करने वाला दुनिया का पहला देश बन चुका है। खेती से संबंधित सभी रसायनों के आयात पर पूरी तरह से पाबंदी लगा दी गई। अब वहां बाजार में न उर्वरक उपलब्ध थे, न कीटनाशक, न खर-पतवारनाशक, न फंगीसाइड। एक चीज और नदारद थी, बिना इन रसायनों के कैसे खेती होती है, देश के किसान इसे दशकों पहले भूल चुके थे। कृषि वैज्ञानिकों और प्रशासकों को भी नहीं पता था कि इतने बड़े देश का पेट सिर्फ कंपोस्ट के बल पर किस तरह पालना है? इसके पहले कि इन पर सोचा जाता, हर तरफ से जय-जयकार शुरू हो चुकी थी। पर्यावरण के लिए काम करने वाले वे एनजीओ, यानी गैर-सरकारी संगठन तो बल्लियों उछल रहे थे, जिनके लिए जैविक खेती उनकी परम आस्था थी। यह कहा जाने लगा कि गोटबाया ने पूरे देश को जहर से बचा लिया है और अब श्रीलंका के लोग दुनिया की सबसे सेहतमंद आबादी में बदल जाएंगे।

इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर केविन पीटरसन ने ईसीबी को लताड़ा, स्टोक्स के संन्यास पर कहा- मैंने ODI छोड़ा तो मुझे टी 20 खेलने से भी किया बैन, क्लासरूम में करता था वीडियो कॉल, छुट्टी के बाद स्कूल में महिलाओं को बुलाकर रंगरेलियां मनाता था शिक्षक, सस्पेंड। हम चाहें, तो इस औचक फैसले की पीछे एक मजबूरी भी देख सकते हैं। कोविड महामारी के कारण पर्यटन का वह धंधा पूरी तरह चौपट हो गया, जो श्रीलंका के लिए विदेशी मुद्रा का सबसे बड़ा जरिया था, और विदेशी मुद्रा बचाने के दबाव में गोटबाया ने रातोंरात यह फैसला कर लिया। तानाशाही में यही होता है, मुश्किलें आसान जिद की ओर ले जाती हैं, समाधान की कठिन राहों की ओर नहीं। तभी पता चला कि श्रीलंका के पास कंपोस्ट उत्पादन की इतनी क्षमता नहीं है कि पूरे देश की खेती चल सके। न ही पर्याप्त जैविक कीटनाशक हैं। मगर वह जिद ही क्या, जो इतनी जल्द टूट जाए! तय हुआ कि जैविक खाद का आयात किया जाएगा। बात विदेशी मुद्रा बचाने से शुरू हुई थी, अब विदेशी मुद्रा का इस्तेमाल कूड़ा आयात करने में हो रहा था। डर था कि इस खाद के साथ कई नई खर-पतवार के बीज और अनजान कीट-पतंगों के अंडे भी आ सकते हैं, लेकिन किसे परवाह थी!

माना जाता है कि वर्तमान व्यावसायिक खेती के मुकाबले जैविक खेती में उत्पादन 25 फीसदी तक कम हो सकता है। यही कारण है कि कई पर्यावरण वैज्ञानिक इसका विरोध करते हैं, क्योंकि इसका अर्थ होगा, लोगों का पेट भरने के लिए अतिरिक्त जगह पर खेती करना, यानी बड़े पैमाने पर जंगलों को काटना। श्रीलंका में तो इसके साथ ही अव्यवस्था भी जुड़ गई और कई फसलों की उपज आधी भी नहीं मिली। इस सबने किसानों की कमर तोड़ दी और जनता को भुखमरी के कगार पर खड़ा कर दिया। इनमें रबर, चाय, दालचीनी, कुनैन और इलायची जैसी वे फसलें भी शामिल थीं, जिनका श्रीलंका निर्यात करता है। जिद ने विदेशी मुद्रा पाने के बाकी रास्ते भी बंद कर दिए। ये ज्यादातर वे फसलें हैं, जिनका उत्पादन अंग्रेजों ने 1803 के बाद यहां बड़े पैमाने पर निर्यात के लिए किया था। इसके लिए जंगल काटे गए थे और लोगों को बागान मजदूर बनने के लिए मजबूर किया गया था। ब्रिटिश सरकार की इन नीतियों ने अपनी मस्त जिंदगी जीने वाले इस द्वीप में जो उथल-पुथल पैदा की, उसकी कहानियां अब औपनिवेशिक इतिहास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। मगर गोटबाया ने जो उथल-पुथल अपने देश को दी, वह उससे कहीं बड़ी थी और उससे कहीं कम समय में ही पूरे देश में फैल गई। यहां यह भी याद रखना जरूरी है कि आज की दुनिया में गोटबाया अकेले जिद्दी नहीं हैं। रूस के व्लादिमीर पुतिन की जिद तो हम देख ही रहे हैं। एक वह भी जिद है, जिसने ब्रिटेन को यूरोपीय संघ से अलग करके ही दम लिया। एक वह भी जिद थी, जब डोनाल्ड ट्रंप मलेरिया की दवा से ही कोविड का इलाज करने पर तुल गए थे। ऐसी कुछ जिद हमारे आसपास भी दिख जाएंगी। मगर एक फर्क भी है। अमेरिका के वैज्ञानिक संस्थानों की स्वायत्तता के सामने ट्रंप की जिद ज्यादा टिक नहीं सकी। मगर यह श्रीलंका जैसे देशों में नहीं हो सकता। वहां ऐसी संस्थाएं थीं ही नहीं, जो गोटबाया की जिद के सामने खड़े होने का साहस कर पातीं। अगर सचमुच की स्वायत्त लोकतांत्रिक संस्थाएं

गॉड पार्टिकल का रहस्य और हमारे अस्तित्व की कहानी

आखिर इस सृष्टि का निर्माण कैसे हुआ? इस यूनिवर्स की अद्भुत इंजीनियरिंग के पीछे किसका हाथ है? क्या इस जगत का कोई निर्माता है? या ये ब्रह्मांड रेंडमली कुछ नहीं से सब कुछ बना? ये सवाल आज भी रहस्य हैं।

आखिर इस सृष्टि का निर्माण कैसे हुआ? इस यूनिवर्स की अद्भुत इंजीनियरिंग के पीछे किसका हाथ है? क्या इस जगत का कोई निर्माता है? या ये ब्रह्मांड रेंडमली कुछ नहीं से सब कुछ बना? ये सवाल आज भी रहस्य हैं। वहीं ज्यों-ज्यों इंसान की समझ बढ़ती जा रही है। वह कुदरत की इस अद्भुत बनावट के पीछे के रहस्य को खंगालता जा रहा है। बिग-बैंग थ्योरी के अनुसार 13.8 बिलियन साल पहले हमारा यह ब्रह्मांड एक छोटे से एटम जितने बिंदू में कैद था। अचानक हुए एक महाविस्फोट के बाद ये जगत अस्तित्वमान हुआ। बिग-बैंग के बाद पूरे यूनिवर्स में केवल ऊर्जा थी शुद्ध ऊर्जा। समय के साथ-साथ अचानक ये ऊर्जा पदार्थ में बदलने लगी। इसी के चलते स्टार, प्लेनेट, नेबूला, गैलेक्सीज का निर्माण होने लगा। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर अचानक बिग-बैंग के बाद की शुद्ध ऊर्जा कैसे अपने आप को मैटर के रूप में बदलने लगी? इसके पीछे का कारण क्या था? यहीं पर जन्म होता है हिग्स बोसोन (God Particle) और हिग्स फील्ड का। हमारे इस खूबसूरत ब्रह्मांड के पीछे हिग्स फील्ड की इंजीनियरिंग ही काम कर रही है। हिग्स फील्ड के कारण ही बिग-बैंग के बाद जन्मी शुद्ध ऊर्जा पदार्थ (Matter) बन पाई। आज हमारे अस्तित्व के पीछे की वजह हिग्स फील्ड ही है।

क्या है गॉड पार्टिकल

बिग बैंग के बाद जब ब्रह्मांड धीरे-धीरे ठंडा होने लगा। उस दौरान अचानक हिग्स फील्ड अस्तित्व में आ गई। मानो कुदरत ने किसी बड़े मैकेनिज्म के एक लीवर को खींच दिया हो, जिसके चलते हिग्स फील्ड हमारे यूनिवर्स में काम करने लगी। हिग्स फील्ड आने के बाद भार रहित (Mass Less) यानी लाइट की स्पीड से चलने वाले कुछ पार्टिकल्स इस फील्ड से इंटरैक्ट करने लगे। इस इंटरेक्शन के कारण उनमें भार (Mass) आने लगा। वहीं फोटोन जैसे कुछ पार्टिकल्स अभी भी हिग्स फील्ड के साथ इंटरैक्ट नहीं कर रहे थे। वे अभी भी एनर्जी के बंडल ही थे। हिग्स फील्ड के साथ इंटरेक्शन से बड़े पैमाने पर ब्रह्मांड में मैटर बनने लगे। बाद में आगे चलकर इन्हीं पदार्थों से ग्रहों, तारों, निहारिकाएं आदि का निर्माण हुआ। अगर उस समय हिग्स फील्ड अस्तित्व में न आई होती, तो इस जगत में किसी पार्टिकल्स में मास नहीं होता। मास न होने के कारण वे सभी लाइट की स्पीड पर गति कर रहे होते। ऐसे में न पदार्थ का निर्माण होता और न ही तारे या आकाशगंगाएं होतीं। ऐसा कहें कि आज हमारे होने के पीछ हिग्स फील्ड का बहुत बड़ा हाथ है। अगर हिग्स फील्ड न होती, तो इस ब्रह्मांड का स्वरूप ही कुछ और होता। जेनेवा के सर्न में वैज्ञानिक गॉड पार्टिकल की खोज में ठीक उन्हीं परिस्थितियों को पैदा कर रहे हैं, जिस समय ब्रह्मांड बिग-बैंग के बाद ठंडा हुआ था और ऊर्जा के कुछ पार्टिकल्स में हिग्स फील्ड के साथ इंटरैक्ट करने के बाद भार आ रहा था। इसी गुत्थी को सुलझाने के लिए वैज्ञानिकों ने एक खास मशीन बनाई जिसका नाम द लार्ज हेड्रोन कोलाइडर है। वैज्ञानिकों का मानना था कि अगर प्रोटोन जैसे चार्ज्ड पार्टिकल्स को भारी ऊर्जा के साथ टकराया जाए, तो इनके टाकराने से हिग्स फिल्ड में हलचल पैदा होगी। इस हलचल में जन्म लेगा हिग्स बोसोन(God Particle)।

कैसे पड़ा हिग्स बोसोन का नाम द गॉड पार्टिकल

साल 2012 में जेनेवा के ष्टश्वक्रह्र में 27 किलोमीटर लंबी मशीन द लार्ज हेड्रोन कोलाइडर में प्रोटोन के पार्टिकल्स को प्रकाश की 99.99 प्रतिशत गति के साथ टकराया गया। इस टक्कर में जबरदस्त मात्रा में ऊर्जा निकली। इसी दौरान वैज्ञानिकों को पहली बार हिग्स बोसोन के बारे में पता चला। इस एक्सपेरिमेंट ने हिग्स फील्ड के सिद्धांत को प्रमाणित कर दिया। हिग्स फील्ड के सिद्धांत को साल 1964 में पीटर हिग्स ने दिया था। इस थ्योरी के सच साबित होने के बाद साल 2013 में पीटर हिग्स को भौतिकीशास्त्र के नोबेल पुरुस्कार से सम्मानित किया गया।

हिग्स बोसोन और हिग्स फील्ड में अंतर

हमारे इस ब्रह्मांड में चार फंडामेंटल फोर्स हैं। इनमें इलेक्ट्रोमैग्नेटिज्म, स्ट्रॉन्ग न्यूक्लिअर, वीक न्यूक्लिअर और ग्रैविटी शामिल हैं। इन सभी फोर्सेस के कैरियर होते हैं, जैसे इलेक्ट्रोमैग्नेटिज्म का फोटोन, वीक न्यूक्लिअर का ङ्ख और ं बोसोन्स, स्ट्रॉन्ग न्यूक्लिअर का ग्लूओन, ग्रैविटी का ग्रैविटोन। ठीक उसी तरह हिग्स फील्ड का कैरियर हिग्स बोसोन होता है।

हिग्स बोसोन का नाम गॉड पार्टिकल पड़ने के पीछे एक बेहद ही दिलचस्प कहानी छिपी है। बात 90 के दशक की शुरुआत की है। फिजिसिस्ट लियोन लैडरमैन ने हिग्स बोसोन और हिग्स फील्ड से जुड़े विषय पर अपनी एक किताब लिखने वाले थे। लियोन अपनी इस किताब का नाम द गॉड डैम्न पार्टिकल The God Damn Particle रखना चाहते थे। हालांकि, उनके पब्लिशर को पुस्तक का ये अजीबोगरीब नाम पसंद नहीं आ रहा था। ऐसे में प्रकाशक ने पुस्तक के नाम से Damn शब्द को हटाकर The God Particle रख दिया। हालांकि, इस नाम के पीछे कोई तर्क नहीं छिपा था बस ये पढ़ने में अच्छा लग रहा है। वहीं किताब पब्लिश होने के बाद मीडिया ने इस नाम को काफी लोकप्रिय कर दिया। ऐसे में हिग्स बोसोन की जगह लोग उसे गॉड पार्टिकल के नाम से जानने लगे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा को लेकर भाजपा की हुई महत्वपूर्ण बैठक

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

हापुड़। जनपद हापुड़ के प्रीत विहार स्थित भाजपा जिला कार्यालय पर मंगलवार को जिला पदाधिकारी मंडल अध्यक्षों व संयोजकों की एक महत्वपूर्ण बैठक विकसित भारत संकल्प यात्रा को लेकर हुई जिसको संबोधित करते हुए जिले के प्रभारी प्रदेश उपाध्यक्ष सत्यपाल सैनी ने कहा कि यात्रा 23 नवंबर से शुरू होकर पूरे महा जनपद में होने वाली है जिसका योजना बद्ध तरीके से एक चार्ट तैयार कर लिया गया है इस कार्यक्रम के हिसाब से हम सभी कार्यकर्ताओं को इस यात्रा को सफल बनाना है इसमें प्रमुख रूप से जो विपक्ष ने सरकार पर यह आरोप लगाया था कि भाजपा की सरकार ने जो लाभ जनता को दिया है वह मात्र कागजों में ही है धरातल पर कोई कार्य नहीं है इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य यही है की सभी लाभार्थी इस यात्रा से जुड़ेंगे और अपने अनुभव साझा भी करेंगे जैसा की 2014 प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि हमारी सरकार गरीबों को समर्पित सरकार होगी और जब 2047 में देश आजादी की स्वर्ण जयंती का उत्सव मनाएगा उस समय तक सभी बना पक्का मकान होगा स्वास्थ सुविधाएं का लाभ सभी उठा सकेंगे इस प्रकार की सभी योजनाएं हैं जिला अध्यक्ष नरेश तोमर ने बताया कि यात्रा सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न हो रही है तथा कल प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी रहने वाले हैं वे कल प्रातः हापुड़ पहुंच जाएंगे तथा कार्यकर्ताओं के साथ बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी के परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर उनको माल्यार्पण करेंगे इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा नागर विधयक गढ़ हरेंद्र तेवतिया जिला महामंत्री पुनीत गोयल श्यामंदिर त्यागी मोहन सिंह नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष विभु बंसल पिलखुवा राकेश बजरंगी गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्रीय मंत्री कविता मादरे पिंकी त्यागी डॉक्टर पायल गुप्ता मनोज बाल्मीकि कपिल एस एम राजेश शर्मा गौरव रुड़कीवाल दिनेश त्यागी राजेश आधाना अमरजीत सिंह विनीत दीवान प्रवीण सिंगल दीपक भाटी पवन सैनी जतिन सहानी विक्रम तोमर हेमंत त्यागी मनोज गौतम जय भगवान शर्मा अबे जिला मीडिया प्रभारी सुयश वशिष्ठ समेत अनेक कार्यकर्ता रहे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा को लेकर भाजपा की हुई महत्वपूर्ण बैठक

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

हापुड़। जनपद हापुड़ के प्रीत विहार स्थित भाजपा जिला कार्यालय पर मंगलवार को जिला पदाधिकारी मंडल अध्यक्षों व संयोजकों की एक महत्वपूर्ण बैठक विकसित भारत संकल्प यात्रा को लेकर हुई जिसको संबोधित करते हुए जिले के प्रभारी प्रदेश उपाध्यक्ष सत्यपाल सैनी ने कहा कि यात्रा 23 नवंबर से शुरू होकर पूरे महा जनपद में होने वाली है जिसका योजना बद्ध तरीके से एक चार्ट तैयार कर लिया गया है इस कार्यक्रम के हिसाब से हम सभी कार्यकर्ताओं को इस यात्रा को सफल बनाना है इसमें प्रमुख रूप से जो विपक्ष ने सरकार पर यह आरोप लगाया था कि भाजपा की सरकार ने जो लाभ जनता को दिया है वह मात्र कागजों में ही है धरातल पर कोई कार्य नहीं है इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य यही है की सभी लाभार्थी इस यात्रा से जुड़ेंगे और अपने अनुभव साझा भी करेंगे जैसा की 2014 प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि हमारी सरकार गरीबों को समर्पित सरकार होगी और जब 2047 में देश आजादी की स्वर्ण जयंती का उत्सव मनाएगा उस समय तक सभी बना पक्का मकान होगा स्वास्थ सुविधाएं का लाभ सभी उठा सकेंगे इस प्रकार की सभी योजनाएं हैं जिला अध्यक्ष नरेश तोमर ने बताया कि यात्रा सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न हो रही है तथा कल प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी रहने वाले हैं वे कल प्रातः हापुड़ पहुंच जाएंगे तथा कार्यकर्ताओं के साथ बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी के परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर उनको माल्यार्पण करेंगे इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा नागर विधयक गढ़ हरेंद्र तेवतिया जिला महामंत्री पुनीत गोयल श्यामंदिर त्यागी मोहन सिंह नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष विभु बंसल पिलखुवा राकेश बजरंगी गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्रीय मंत्री कविता मादरे पिंकी त्यागी डॉक्टर पायल गुप्ता मनोज बाल्मीकि कपिल एस एम राजेश शर्मा गौरव रुड़कीवाल दिनेश त्यागी राजेश आधाना अमरजीत सिंह विनीत दीवान प्रवीण सिंगल दीपक भाटी पवन सैनी जतिन सहानी विक्रम तोमर हेमंत त्यागी मनोज गौतम जय भगवान शर्मा अबे जिला मीडिया प्रभारी सुयश वशिष्ठ समेत अनेक कार्यकर्ता रहे।

एक नज़र

रालोद के प्रदेश अध्यक्ष कमल सिंह जाटव के पुत्र रेमन के रिसेप्शन में पहुंचे गणमान्य लोग

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

हापुड़। हापुड़ के समीप गाज़ियाबाद जिले में राष्ट्रीय लोक दल के (एससी एसटी) उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष कमल सिंह जाटव के पुत्र का 1 दिसंबर 2023 को वृंदावन ग्रीन गार्डन में हुआ रिसेप्शन। रिसेप्शन में पहुंचे सभी गणमान्य लोगों ने कमल सिंह जाटव के बेटे रेमन संग साक्षी को आशीर्वाद दिया। कमल सिंह जाटव ने सभी अतिथियों का आभार वक्त किया कहा आप सभी लोगों ने दोनों बच्चों को आशीर्वाद देकर रिसेप्शन कार्यक्रम की शोभा को बढ़ाया इसके लिए सिंह परिवार आप सभी का धन्यवाद करता है। इस अवसर एडीएम सिटी गंभीर सिंह, नरेश शर्मा कोतवाल, वरिष्ठ समाजसेवी सुशील गौतम, वरिष्ठ समाजसेवी जगन लाल, वरिष्ठ समाजसेवी सिकंदर यादव, डॉक्टर चरण डायरेक्टर सुदर्शन हॉस्पिटल, सुनील गौतम पत्रकार जनतंत्र टीवी, बबलू भाई वरिष्ठ पत्रकार , जुगनू गौतम डिस्ट्रिक्ट इंचार्ज दैनिक हिंदी निष्पक्ष अमन उजाला, सोहनलाल सोनी,अनिल अग्रवाल ,त्रिलोक त्यागी, के0 पी0 चौधरी,प्रबुद्ध कुमार, राहुल सरस, सुशील गौतम भाजपा ,डॉक्टर तमकीन, मुनकाद भाई ,मुकेश जाटव, अखलाक, लखीराम नागर, हुक्म सिंह, हरिदत्त जाटव पूर्व सभासद ओ0 पी0 सागर आदि मौजूद रहे।

अम्बर फाउंडेशन लगातार समाज में वंचित लोगो की मदद कर रहा,नवाब मोहम्मद

द अचीवर टाइम्स दीपक कनौजिया।

काकोरी। लखनऊ में सोमवार को अम्बर फाउंडेशन के संस्थापक श्री वफा अब्बास से बीजेपी नेता नवाब मोहम्मद अली ने मुलाकात की। अम्बर फाउंडेशन लगातार समाज में वंचित लोगो की मदद कर रहा है। लखनऊ शहर में जगह - जगह आंखो के मरीज़ो के लिए कैंप लगाकर उच्च चिकात्सक से जरूरतमंदों का इलाज अंबर फाउंडेशन करवा रहा है। चाहे स्वास्थ का क्षेत्र हो चाहे शिक्षा का क्षेत्र हो दोनो क्षेत्र में अंबर फाउंडेशन ने बेहतरीन काम किया है। इसी वजह से बीजेपी नेता श्री मोहम्मद अली ने फाउंडेशन के संस्थापक श्री वफा अब्बास को निवेदन किया की ग्राम पंचायत कठिंगरा, काकोरी में अपनी संस्था के माध्यम से आंखो की टेस्टिंग का कैंप और चश्मा वितरण संस्था करवाएं ताकि कठिंगरा में भी जरूरमंदो की मदद हो सकें। बीजेपी नेता मोहम्मद अली ने अपनी तरफ से और पूरी ग्राम पंचायत की जनता की तरफ से श्री वफा अब्बास और उनकी संस्था से आह्वान किया है की आंखों की टेस्टिंग और उसके बाद चश्मा वितरण का कैंप ग्राम कठिंगरा में लगाया जाए ताकि गांव के ज़रूरतमंदो की मदद हो सकें।

भाबलखेड़ा की ग्राम पंचायत सूतनेरा में प्रधान व सचिव हैंड पंप मरम्मत कार्य के नाम से खाना पूर्ति कर लाखों का लगा रहे सरकार को पलीता

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। विकास खंड भावलखेड़ा छेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत सूतनेरा में कार्य योजना में हैंड पंप मरम्मत कार्य,आदि को फीड कराकर कई ग्राम पंचायत में नल लगे हुए हैं जिसमे एक बार मरम्मत कराते और कागजों में पंजीकृत ठेकेदारों से मिलकर बार बार मरम्मत कार्य दिखाकर ग्राम निधि से रूपए निकाले जा रहे जबकि किसी हैंड पम्प में चैन नहीं को किसी हैंड पम्प में हत्था तक गायब ग्रामवासियों को भीषण गर्मी में झूझना पड़ता है कई मीटर से जल भरकर जीवन यापन करते हैं सचिव ब प्रधान आशिक अली सुनी को अनसुनी करते हैं अब सोचने की बात यह है कि क्या इस तरह के जिम्मेदार सचिव एवं प्रधान पर कार्यवाही होती है या नही।

भाबलखेड़ा की ग्राम पंचायत सूतनेरा में प्रधान ब सचिव द्वारा बंदरबांट कर घटिया सामग्री लगाकर सामुदायिक शौचालय एवं पंचायत घर का कराया निर्माण कार्य

द अचीवर टाइम्स फसाद खान

शाहजहांपुर। विकास खंड भाबलखेड़ा के ग्राम सूतनेरा में सामुदायिक शौचालय एवं पंचायत घर का सचिव एवं प्रधान आशिक अली ने बंदरबांट कर घटिया सामग्री दोम ईंट लगवाकर अधिक बालू लगाकर लीपा पोती कर मानक पूर्ण कर उत्तर प्रदेश सरकार को चूना लगाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जैसा की समुदायिक सौचलय में बने गड्ढे में किसी में ढक्कन तक नही सारा मामला संवाददाता फसाद खान ने जिला पंचायतराज अधिकारी को समाचार पत्र के माध्यम से बताया उन्होंने संज्ञान में लेते हुए जांच के निर्देश दिए उन्होंने कहा इस तरह की लापरवाही बरतने पर जांच कराकर विभागीय कार्यवाही कराएंगे।

कंपनी द्वारा आन्दोलन को दबाने व खत्म कराने के हर सम्भव प्रयास किया जा रहा है: टीकम नागर

धरने पर 17 वे दिन किसानों ने गुड़गुड़ाया हुक्का

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

हापुड़। धौलाना विधानसभा क्षेत्र के यूपी एस आई डीसी औधोगिक क्षेत्र में प्रदूषण से मुक्ति व स्थानीय लोगों को रोजगार दिलाने हेतु कोका कोला कंपनी के गेट पर चल रहा किसानों का अनिश्चित कालीन धरना 17 वे दिन भी जारी रहा और धरने की अध्यक्षता नितिन प्रधान ने की व संचालन अमरपाल महाशय ने किया। किसान सभा हापुड़ के प्रभारी टीकम नागर ने कहा कि कंपनी द्वारा आन्दोलन को दबाने व खत्म कराने के हर सम्भव प्रयास किया जा रहा है,लेकिन ये आन्दोलन किसी भी कीमत पर झुकने व रुकने वाला नही है,प्रदूषण से मुक्ति व स्थानीय युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए चल रहा ये आन्दोलन हर हाल में आपने मुकाम तक पहुंचेगा,प्रदूषण से पूरे क्षेत्र का बुरा हाल है आस पास के गांवों में कैंसर,पीलिया,जैसी भयंकर जानलेवा बीमारी से सैकड़ों लोग पीड़ित हैं, कंपनियों द्वारा निकलने वाले जहरीले पानी से औद्योगिक क्षेत्र के सारे पार्क जल मगन है हजारों पेड जहरीले पानी से सूख गए हैं किसानों की सैकड़ों बीघा फसल पूरी तरह नष्ट हो रही है,लेकिन आज तक इस पर कोई कार्यवाही नही की गई है,कंपनियों की इस तानाशाही को ग्रामीण किसान किसी भी कीमत पर बर्दास्त नही करेंगे रोड से लेकर जेल तक ये संघर्ष जारी रहेगा। वीरेंद्र प्रधान ने कहा कि 7 तारिक की वार्ता का इंतजार है, यदि किसानों की ये वार्ता सकारात्मक नही होती तो आन्दोलन की आगामी रणनीति बना कर आन्दोलन को गति देने का काम करेंगे युवाओं के भविष्य की इस लड़ाई को रुकने और झुकने नही देंगे। इस धरने पर सतवीर हवलदार,हरिसिंह प्रधान,बेगराज नेता जी, विनीत नागर, अजीत नागर, लीलु महाशय,इसरार प्रधान,फरमान अली, धीरज नागर, अंशुल नागर, नितिन नागर, सकील अहमद, प्रिन्स प्रधान,अभिषेक नागर सरला देवी,ओमवती देवी आदि रहे।

मंडलायुक्त ने देखा आधुनिक तरीकों से किया जा रहा मत्स्य पालन

❖ जनपद मे मत्स्य पालन से संबंधित सहकारी समितियों के गठन पर जोर दिया जा रहा है:-जिलाधिकारी

द अचीवर टाइम्स निशान्त शुक्ला

हरदोई। अपने एक दिवसीय जनपद भ्रमण के दौरान आज मंडलायुक्त रोशन जैकब ने जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह के साथ माननीय विधायक गोपामऊ श्याम प्रकाश के आरएएस(रि-सर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम) प्लांट का निरीक्षण किया। भ्रमण के दौरान माननीय विधायक ने मंडलायुक्त को समस्त व्यवस्थाओं के बारे में बताया। मंडलायुक्त ने आधुनिक तरीकों से मत्स्य पालन को देखा। मतस्य पालन हेतु बनाये गए टैंकों का निरीक्षण किया। उन्होंने मत्स्य पालन हेतु बनाये गए तालाबों को देखा। आरएएस के निरीक्षण के उपरांत उन्होंने मत्स्य बीज हैचरी को देखा। मंडलायुक्त ने समस्त व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि जनपद हरदोई में मत्स्य पालन की असीम संभावनाएं हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत लक्ष्य के अनुरूप मत्स्य पालकों को लाभान्वित किया जा रहा है। मत्स्य पालन से संबंधित सहकारी समितियों के गठन पर जोर दिया जा रहा है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक केशव चन्द्र गोस्वामी, अपर आयुक्त घनश्याम सिंह, उपनिदेशक मत्स्य हरेन्द्र प्रसाद, ब्लॉक प्रमुख रवि प्रकाश सहित सभी संबंधित लोग उपस्थित रहे।

समस्याओं का त्वरित निस्तारण एवं पीड़ितों को शीघ्र न्याय दिलाना सुनिश्चित करायें:-आयुक्त

❖ महिला उत्पीड़न के मामलों में तत्काल कार्रवाई की जाए: डा0 रोशन जैकब

द अचीवर टाइम्स निशान्त शुक्ला

हरदोई। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित मण्डलीय जनता दर्शन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मंडलायुक्त रोशन जैकब ने आमजन की समस्याओं को गम्भीरता से सुना। मंडलायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि लोगों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण एवं पीड़ितों को शीघ्र न्याय दिलाना सुनिश्चित कराये तथा किसी सेवानिवृत्त कर्मचारी के देयकों के भुगतान में अनावश्यक विलंब न किया जाए। घरौनी न जारी करने के एक मामले में में मंडलायुक्त ने तत्काल जाँच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश एसडीएम सदर को दिये तथा कहा कि घरौनी के मामलों में अनावश्यक देरी न की जाए और अवैध कब्जों के मामले में तत्काल कार्रवाई की जाए व पैमाईश के मामलों को लंबित न रखा जाए। उन्होने कहा कि पात्र दिव्यांग, वृद्धावस्था व विधवा पेंशन को समय से जारी कराने के साथ आधार सीडिंग का कार्य जल्द पूरा कराये। अभ्युदय योजना के विद्यार्थियों ने कोचिंग 4 दिनों से बन्द होने की शिकायत पर मंडलायुक्त व जिलाधिकारी से कोचिंग को तत्काल चालू करवाने के निर्देश दिए। एक किसान के प्रार्थनापत्र पर उन्होंने अहिरोरी विकास खण्ड के वाजिदपुर में निर्माणाधीन गोशाला का निर्माण जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि महिला उत्पीड़न के मामलों में तत्काल कार्रवाई की जाए। जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देश दिया कि माधोगंज विकास खण्ड के करवा गाँव का राशन गाँव मे ही वितरित करवाने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर आयुक्त प्रशासन घनश्याम सिंह, पुलिस अधीक्षक केशव चन्द्र गोस्वामी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी रोहताश कुमार, अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह, नगर मजिस्ट्रेट प्रशान्त तिवारी व अन्य सभी जिलास्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

युवक की हत्या का आरोप, कार्रवाई के लिए प्रदर्शन

ऊंचाहार (रायबरेली)। क्षेत्र में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत मिले युवक की हत्या का आरोप लगाते हुए परिजनों ने मंगलवार को शव का अंतिम संस्कार करने से इन्कार कर दिया। शव लेकर कंदरावां चौराहे पर जाम लगाने का प्रयास किया। सीओ ने कार्रवाई करने का आश्वासन देकर उन्हें शांत कराया। अड्डा मजरे कल्यानी गांव निवासी मणिचंद (35) सोमवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में घर में मृत मिला था। पुलिस के मुताबिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मणिचंद के फंदे से लटकने की बात पता चली। इस जानकारी के बाद मंगलवार को परिजन नाराज हो गए। उन्होंने शव का अंतिम संस्कार करने से इन्कार कर दिया। सूचना पर पहुंचे कोतवाल आदर्श कुमार सिंह ने परिजनों को समझाने का प्रयास किया। परिवार के रामसजीवन ने मणिचंद की पत्नी व गांव के एक युवक पर हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दी। इसके साथ आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग करने लगे।

दो लोगों के साथ दबंगों ने घर में घुसकर की मारपीट पीड़ित ने सिंभावली थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

हापुड़। थाना सिंभावली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम मुरादपुर में दो युवकों के साथ घर में घुसकर मारपीट कर घायल करने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। सिंभावली थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम मुरादपुर निवासी पीड़ित दीपक ने थाने में तहरीर देकर अपनी तहरीर में उल्लेख किया है । कि वह अपने भाई के घर के बाहर बैठा हुआ था। तभी गांव के रहने वाले आधा दर्जन लोगों ने प्रार्थी के साथ गाली-गलौच शुरू कर दी और घर में अकेला देख प्रार्थी के साथ लाठी डंडे लात घूसों से जमकर मारपीट की प्रार्थी की चीख पुकार सुनकर बीच बिचाव करने के लिए आये युवक अमन के साथ भी जमकर मारपीट करते हुए सर में डंडा मार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर कानूनी कार्यवाही की गुहार लगाई है। थाना प्रभारी धर्मेंद्र सिंह का कहना है । कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर कर दी है। जल्दी ही नियम अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

विकसित भारत संकल्प यात्रा का विभिन्न स्थानों पर किया गया कार्यक्रम

द अचीवर टाइम्स निशान्त शुक्ला

हरदोई। विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यकम विकास खण्ड माधौगंज के ग्राम हरपुरा व बाबटमऊ में मुख्य अतिथि माननीय विधायक आशीष सिंह,आशू जी द्वारा दोनो ग्रामो में यात्रा की अगवानी की गई। जिसमें ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी भी उपस्थिति रहे। विकास खण्ड सण्डीला के ग्राम सांक व टिकरा बरार में मा0 विधायिका अलका अर्कवंशी जी द्वारा दोनो जगह पर यात्रा कार्यक्रम की आगवानी की गई जिसमें गांम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी भी मौजूद रहे। विकास खण्ड सुरसा के ग्राम ढोलिय में मा0 ब्लाक प्रमुख धनजंय मिश्रा जी एवं गाम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी, विकास खण्ड सुरसा के ही ग्राम जूरा में भाजपा मण्डल अध्यक्ष रजनीश कुमार व जिला पंचायत सदस्य धरेन्द्र सिंह धीरू ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी, विकास खण्ड अहिरोरी के ग्राम कोट में मा0 जिला पंचायत अध्यक्षा प्रेमावती ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी द्वारा प्रतिभाग किया गया। विकास खण्ड अहिरोरी के ग्राम गडेउरा में भाजपा उपाध्यक्ष विकास तिवारी ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी, विकास खण्ड मल्लावां के ग्राम खेदरिया व कोडरामऊ में ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अनुराग पटेल ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी विकास खण्ड साण्डी के ग्राम बखरिया में मण्डल अध्यक्ष ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकार, साण्डी विकास खण्ड के ही ग्राम निकारी ढिगासन में मा0 सदस्य विधान परिषद अशोक अग्रवाल, व ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी, विकास खण्ड पिहानी के ग्राम अरूआपारा ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि तुषार बाजपेयी ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी, विकास खण्ड पिहानी के ग्राम उमरसेडा में साधन सहकारी समिति अध्यक्ष सरनाम सिंह ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी विकास खण्ड बिलग्राम के ग्राम सहौरा रामपुर व हसौलिया में ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि देवेन्द्र सिंह, ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी विकास खण्ड भरखनी के ही ग्राम कन्हारी व रामपुर खमरिया में ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी, विकास खण्ड शाहाबाद के ग्राम ऐगंवा व नबीपुर ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी, विकास खण्ड भरावन के ग्राम परसा मोहीद्दीनपुर में जिला पंचायत सदस्य इशरत अली ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी एवं ग्राम ऐराकाकेमऊ में ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी, विकास खण्ड टडियावां मे ग्राम नरायनपुर ग्रंट एवं सडिला में ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी, विकास खण्ड बाबवन के ग्राम उधरनपुर में मण्डल अध्यक्ष देश दीपक दीक्षित, ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी एवं कुवंरपुर में ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी, मुख्य अतिथि जन प्रतिनिधियों द्वारा ग्राम वासियों को सम्बोधित करते हुये बताया कि यह कार्यक्रम समस्त योजनाओं से पात्र लाभार्थियों को संतृप्त करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। इस हेतु सभी अधिकारी व कर्मचारी पूर्ण मनोयोग से कार्य कर समस्त योजनओं के पात्र लाभार्थी को लाभान्वित करें। कृषि विभाग के कार्मिको द्वारा पीएम किसान योजना के अन्तर्गत ई-केवाईसी, भूलेख अंकन, केसीसी एवं नये पंजीकरण मौके पर कराये जा रहे। कृषको को श्री अन्न (मिलेट्स) के सम्बन्ध में भी जानकारी दी गई। इसी के साथ उन्हे फसल अवशेष प्रबन्धन के बारे में भी जानकारी दी गई ।

कृषको को रबी की फसलों की तकनीकी जानकारी के साथ फसलो की लाइन से रोपाई एवं बुबाई के लिये प्रेरित किया गया । कृषको को प्रमाणित बीजो के बारे में जानकारी दी गई। कृषक राजकीय कृषि बीज भण्डार से प्रमाणित बीजो पर 50 प्रतिशत अनुदान पर प्राप्त कर सकते है। उपरोक्त कार्यकम में आज कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं खाद्य आदि विभागों के कर्मचारी/अधिकारी उपस्थित रहे। ग्राम प्रधान/जन प्रतिनिधियो द्वारा जनपद में संचालित योजनाओं की जानकारी दी। कार्यकम में सभी विभागों ने स्टाल लगाये। उपरोक्त कार्यकमों में प्रगतिशील कृषको को सम्मान पत्र, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थी कृषको को स्वीकृत पत्र वितरित किये गये। ग्राम वासियों को उनके उत्थान हेतु चलाई जा रही समस्त योजनाओ की जानकारी भी दी गई। कार्यकम मे एल0ई0डी0 वैन द्वारा प्रधानमंत्री द्वारा संचालित प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, समस्त पेंशन योजना और अन्य जनकल्याणकारी योजना की जानकारी दी गयीं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के स्टाल कार्यकम के मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहे, जिसमें ग्राम वासियों की एनीमिया की जांच, शुगर की जांच, बी0पी0 की जांच और अन्य चिकित्सा स्वास्थ्य की जांच निशुल्क की गयी और निशुल्क दवा भी वितरित की गयी।

थाना हापुड़ देहात से नहीं मिली मदद इंसाफ के लिए पीड़ित पहुंचा एसपी कार्यालय

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

हापुड़। देहात थाना क्षेत्र के असौड़ा गाँव निवासी पीड़ित राहुल ने थाने में शिकायत पत्र देकर पुलिस को अवगत कराया कि उसके भाई दीपक के साथ गाँव के ही नितिन व उसके साथियों ने दोमई गाँव के जंगलों में जानलेवा हमला कर दिया।पीड़ित ने पुलिस की मदद के लिए 112 नंबर पर फोन किया लेकिन नंबर नहीं लगा। इसके बाद उन्होंने थाने में शिकायत दी। पुलिस ने केस दर्ज तो कर लिया लेकिन इसके बाद भी कोई करवाई नही हुई,जिसके बाद पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक का सहारा लिया। थाने और अफसरों की चौखट पर आने वाले फरियादियों को राहत देने के लिए हापुड़ पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा का तैयार किया गया खास प्लान वाला फार्मूला देहात थाना में फैल होता नजर आ रहा है।जिसका कारण देहात थाना में एक ही परिवार के साथ दो बार हुई इस मारपीट की घटना से समझ जाएंगे।आपको बता दे कि देहात थाना क्षेत्र के असौड़ा गाँव निवासी राहुल थाने में शिकायत पत्र देकर आरोप लगाया कि नितिन व उसके साथियों ने मेरे भाई दीपक के साथ दोमई के जंगल में जानलेवा हमला कर दिया। इसके बाद आरोपित पीड़ित को धमकी देकर फरार हो गए।पीड़ित के साथ ये कोई पहली घटना नही है बल्कि पीड़ित के साथ दूसरी बार ये घटना दोहराई गई है।इससे पहले भी 13 नवंबर को इन्ही लोगो पीड़ित पर जानलेवा हमला किया।लेकिन पिछले जख्म को छिपाते उससे पहले आरोपियों ने दूसरा जख्म दे दिया।उसके बावजूद पुलिस उल्टा पीड़ित पर ही है दबाव बना रही है की उच्च अधिकारियों के पास क्यों गए।वहीं पुलिस की मानें तो 30 नवंबर को मुकदमा दर्ज कर लिया गया है व जाँच की जा रही है।

शिक्षक निष्ठा और लगन से करें काम जिला अधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने सख्त निर्देश

द अचीवर टाइम्स फसाद खान

शाहजहांपुर। कलेक्ट्रेट सभागार में टास्क फोर्स समिति की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत हो रहे कार्यो की वृहद समीक्षा की गई। परिषदीय विद्यालयों में बन रहे दिव्यांग शौचालय, फर्नीचर तथा टायलीकरण इत्यादि के विषय में जिलाधिकारी ने जानकारी ली। उन्होंने कहा की नगर क्षेत्र के उन विद्यालयों में जहाँ कार्य अभी तक नहीं हो पाए हैं, कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी फंड के तहत कराए जाएं। डीएम ने हॉट कुक्ड फूड योजना के विषय में भी जानकारी ली। जिलाधिकारी ने किचन गार्डन तथा फल वितरण, दुग्ध वितरण इत्यादि योजनाओं के विषय में भी जानकारी ली। उन्होंने उपलब्ध संसाधनों के सदुपयोग हेतु सभी अधिकारियों को निर्देशित किया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रणवीर सिंह ने कस्तूरबा गांधी विद्यालय के छात्रावास के निर्माण की स्थिति के संबंध में भी अवगत कराया। जिलाधिकारी ने उन्हें किसी भी स्थिति में गुणवत्ता से समझौता न करने हेतु निर्देशित किया। डी एम ने कहा कि सभी शिक्षक तैनाती मुख्यालय पर ही निवास करना सुनिश्चित करें। डीएम ने उपस्थित खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिया कि वह शिक्षकों को वोट बनवाने तथा उसका प्रयोग करने हेतु प्रेरित करें। बैठक में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रणवीर सिंह, जिला विकास अधिकारी पवन कुमार सिंह, पी डी डीआरडीए अवधेश राम, जिला समाज कल्याण अधिकारी वंदना सिंह तथा समस्त खंड शिक्षा अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

एक नज़र

मां को याद कर बेसुध हो जा रहा मासूम, सदमे में आ गया है 10 साल का सचिन

गोरखपुर। 10 साल के बेटे सचिन के साथ ही पहले वारदात की कोशिश की गई और फिर उसे बचाने के लिए आई मां कुसुम और बाबा रामजी पर हमलावर लाठियां बरसाने लगे। आरोपियों ने जिस तरह से हमला किया उससे उनका मकसद साफ था कि मौत के घाट ही उतारना है। गोरखपुर के सिकरीगंज में पिटाई से लहूलुहान मां को देखकर 10 साल का बेटा चीख रहा था, वह बार-बार आरोपियों के सामने गुहार लगा रहा था कि उसकी मां को छोड़ दे, लेकिन किसी को तरस नहीं आया और न ही कोई बचाने के लिए आगे आया। एक रिश्तेदार के पहुंचने के बाद घायल अस्पताल पहुंचे और शायद इसी देरी की वजह से मां कुसुम की मौत हो गई। मां को याद कर वह बेसुध हो जा रहा है। सोमवार को भी मां की चिता देखकर मासूम दहाड़े मारने लगा था। पिता किसी तरह से उसे संभाल रहे हैं तो रिश्तेदार उसे दूसरी बातों में उलझा कर शांत कराए, लेकिन वह सिर्फ मां को ही खोज कर बेसुध हो जा रहा था। उसकी हालत देखकर सबकी आंखें नम हो गई थीं। जानकारी के मुताबिक,10 साल के बेटे सचिन के साथ ही पहले वारदात की कोशिश की गई और फिर उसे बचाने के लिए आई मां कुसुम और बाबा रामजी पर हमलावर लाठियां बरसाने लगे। आरोपियों ने जिस तरह से हमला किया उससे उनका मकसद साफ था कि मौत के घाट ही उतारना है। हद तो यह है कि मारपीट होता देख कोई बचाव के लिए आगे नहीं आया और न ही किसी ने पुलिस को सूचना दी। किसी तरह घायल राम जी ने ही अपने दामाद को घटना की जानकारी दी और फिर पुलिस को सूचना मिली। पुलिस ने केस दर्ज कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन मां की मौत से बेटा सदमे में है, उसे किसी तरह से उसकी बुआ संभाल रही हैं।

अब ओवर स्पीड वाहन चलाया तो कट जाएगा आपका चालान, गोरखपुर मंडल को मिले दो इंटरसेप्टर वाहन

गोरखपुर। संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन संजय कुमार झा ने कहा कि ओवर स्पीड वाहन और दुर्घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए मंडल को दो इंटरसेप्टर वाहन मिल गए हैं। इन वाहनों को हाईवे पर खड़ा किया जाएगा, जो वाहनों को दुर्घटनाओं से बचाने के लिए ओवर स्पीड पर नजर रखेगी। तय गति से तेज वाहन चलाने वालों की अब खैर नहीं है। परिवहन विभाग दुर्घटनाओं पर नियंत्रण के लिए तेज गति से वाहन चलाने वालों का चालान इंटरसेप्टर के माध्यम से करेगा। परिवहन विभाग को दो इंटरसेप्टर वाहन मिल गए हैं। तय मानक से तेज वाहन चलाने और इससे होने वाली दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए शासन की तरफ से गोरखपुर मंडल को दो इंटरसेप्टर वाहन मिले हैं। ये अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस हैं। इस हाईटेक वाहन के रडार में आने वाली तेज रफ्तार गाड़ियों की तस्वीर खींच ली जाएगी। साथ ही उसके स्पीड का भी पता चल जाएगा। इससे उनका चालान आसानी से हो जाएगा। परिवहन विभाग इन वाहनों को हाईवे पर खड़ा कर कार्रवाई करेगा।

ऐसे काम करता है इंटरसेप्टर

इंटरसेप्टर वाहन को हाईवे के किनारे लगा दिया जाता है। कैमरे को सड़क की ओर कर दिया जाता है। इंटरसेप्टर पर लगा कैमरा 360 डिग्री के एंगल में घूम सकता है। इससे किसी भी वाहन की ओवरस्पीड को मापा जा सकता है। साथ ही वाहन के अंदर लगी मशीन और मॉनीटर पर तकनीकी कर्मी गति सीमा देखते हैं। गति सीमा अधिक पाए जाने पर उस मशीन से तत्काल चालान कट जाता है। इंटरसेप्टर वाहन का वीडियो भी बना लेता है। संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन संजय कुमार झा ने कहा कि ओवर स्पीड वाहन और दुर्घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए मंडल को दो इंटरसेप्टर वाहन मिल गए हैं। इन वाहनों को हाईवे पर खड़ा किया जाएगा, जो वाहनों को दुर्घटनाओं से बचाने के लिए ओवर स्पीड पर नजर रखेगी।

कोचिंग जा रही छात्रा से छेड़खानी, केस दर्ज

खजनी (गोरखपुर)। क्षेत्र के एक गांव की छात्रा से कोचिंग जाते समय छेड़खानी करने वाले शोहदे के खिलाफ पीड़िता की मां ने केस दर्ज कराया है। पुलिस जांच कर रही है। पुलिस को दी तहरीर में मां ने बताया कि बेटी 12वीं की छात्रा है। वह प्रतिदिन कोचिंग जाती है। रास्ते में छताई गांव का कन्हैया उसे अक्सर परेशान करता है। आरोप है कि शनिवार को उसने रास्ते में रोककर जबरन मोबाइल फोन दिया। छात्रा घर पहुंचकर मां को इसकी जानकारी दी। मां शिकायत करने जब आरोपी के घर पहुंचीं तो पिटाई कर उन्हें भगा दिया गया।

पुलिस अधीक्षक ने किया संडीला कोतवाली का आकस्मिक निरीक्षण, व्यवस्था को परखा

हिमांशु त्रिपाठी (द अचीवर टाइम्स)

हरदोई। एसपी केशव चंद गोस्वामी ने संडीला कोतवाली का आकस्मिक निरीक्षण किया। एसपी गोस्वामी ने कोतवाली में रखे अभिलेखों, कंप्यूटर, सीसीटीवी कैमरे व अन्य इलेक्ट्रानिक उपकरणों, मालखाना, शस्त्रागार, बंदीगृह, मेस, बैरक, जलपान की व्यवस्था, सीज किए गए वाहनों का रखरखाव, महिला हेल्प डेस्क, कोतवाली पर रखे सभी असलहों को चेक किया। कोतवाली परिसर की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया गया। थाने पर मौजूद सरकारी वाहनों के रखरखाव व उनकी साफ-सफाई पर ध्यान केंद्रित करने हेतु संबंधित को निर्देश दिए गए। इस दौरान आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारीगण को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

स्वर्गीय महावीर शर्मा को नमन कर मनाई पुण्यतिथि

जिला पंचायत कार्यालय में जिले के सभी प्रधानों ने प्रधान संगठन के संस्थापक स्वर्गीय महावीर शर्मा की पुण्यतिथि मनाई

द अचीवर टाइम्स फसाद खान

शाहजहांपुर। जिला पंचायत कार्यालय पर जिले के सभी प्रधानों ने एकत्रित होकर राष्ट्रीय पंचायतीराज ग्राम प्रधान संगठन के संस्थापक स्वर्गीय महावीर शर्मा की पुण्य तिथि मनाई पुण्य तिथि मनाते हुए सभी प्रधानों ने शर्मा जी के चित्र पर फूल माला अर्पित की एवं नमन किया द्य इस मौके पर संगठन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अजीत कुमार ने सभी प्रधानों से कहा कि हम शर्मा जी के द्वारा बताए गए मार्गो पर सदैव चलेंगे । जिला अध्यक्ष झब्बू सिंह यादव ने सभी प्रधानों को संबोधित करते हुए कहा कि एकता में ही बल है सभी को संगठित रहने की जरूरत है द्यऔर इस मौके पर सिंधौली ब्लांक के अध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता ने सभी प्रधानों को बताया कि हम सभी को संगठित रहते हुए 73वां संविधान संशोधन लागू कराना है एवं पंचायती राज एक्ट की उप धारा 15 को हटवाना है,जिससे कि हम सभी के आधीन 29 विभाग हो जाए, प्रदेश सचिव महाराज सिंह ने भी सभी को संबोधित किया । कार्यक्रम में संगठन के जिला प्रभारी जगतपाल सिंह, महासचिव बृजपाल, जिला उपाध्यक्ष भानू प्रताप सिंह ,जनपद के सभी 15 ब्लॉकों के अध्यक्ष हरिवंश राणा ,ओविंदर यादव ,राजाराम गिरी ,मदनपाल वर्मा ,सुनील वर्मा ,सर्वेश वर्मा ,वीरपाल कश्यप, कल्पना यादव, मदनलाल वर्मा ,अजय प्रताप सिंह ,दलसिंह यादव, प्रदीप सिंह सहित ग्राम प्रधान अमर सिंह, सुरेंद्र वर्मा ,अरविंद गंगवार ,वीरेंद्र प्रताप सिंह, अनुपाल ,सुधीर गंगवार ,महगे हसन ,जगतपाल सिंह ,इस्लाम सिद्दीकी ,राजीव बृजेश यादव ,सुरेश ,बशीर खान आदि अन्य सैकड़ो प्रधान उपस्थित रहे ।

ग्रामवासियों ने ठेकेदार पर लगाया आरोप उप जिलाधिकारी को दिया प्रार्थना पत्र

❖ ग्राम पंचायत सूतनेरा में ठेके पर चल रही सरकारी राशन दुकान मनमानी तरीके से ठेकेदार लगातार कई माह से घाटतौली करता आ रहा।

द अचीवर टाइम्स फसाद खान

शाहजहांपुर। भावलखेड़ा छेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत सूतनेरा में रोजमर्रा के मजदूर पात्र लाभार्थी ,रऊफ ,समा पत्नी वसीम, लाईक ,हनीफ पुत्र अली बहादुर आदि लाभार्थियों ने उप जिला अधिकारी सदर को दिया प्रार्थना पत्र उन्होंने बताया मेरी ग्राम पंचायत सूतनेरा की राशन दुकान रशीद अली के नाम से है जो की रशीद अली हरद्वार में किराने की दुकान तीन साल से चलाते है यह कभी कभी आ जाते हैं बही कोटा अपने नाम से कराकर और राशन दुकान अपने दामाद इलियास को ठेके पर देकर चले गय बही इलियास ठेकेदार 5 किलो ग्राम की जगह 4 किलो ग्राम राशन वितरण करता है अंत्योदय कार्ड धारकों को 35 किलोग्राम की जगह 30 किलो ग्राम राशन वितरण करते है इतना ही नहीं लाभार्थी जन विरोध करते तो इलियास बोरी भी फेंक देता है कहता जहा इससे ज्यादा राशन मिले तो ले लो इतना ही ऊपर से आता है लो तो ले लो बरना भाग जाओ बही प्रधान आशिक अली उचित दर विक्रेता के समधी हैं बो भी नहीं उनके मामले में सही बात बोलते ग्रामवासियों ने उप जिला अधिकारी से पूरा राशन वितरण कराने की मांग की बही उप जिला अधिकारी सदर ने पूरा राशन दिलवाने का आश्वासन दिया बही पूर्ति निरीक्षक सदर से जांच कराई जांच में नियम के विरुद्ध कार्य करने पर उचित दर विक्रेता की राशन दुकान स्थांतरित रहीमपुर अनिल कोटेदार से अटैच में कर दी गई

फोरलेन के किनारे मिला महिला का शव हत्या की आशंका

संवाददाता

गोरखपुर। सूचना पर सीओ कैंट मानुष पारिक थानाध्यक्ष एम्स मदन मोहन मिश्रा अपने के साथ पहुंच कर जांच कर शव को पोस्टमार्टम हाउस के लिए भेज दिया गया। शव की पहचान के बाद ही मौत की वजह साफ होने की बात कही जा रही है।

एम्स थाना क्षेत्र के फोरलेन बाइपास पर फरेन नाले पुल के नीचे मंगलवार की सुबह 28 वर्षीय महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव देखने से लग रहा था कि हत्या के बाद यहां लाकर फेंका गया है। शव की पहचान नहीं हो पाई है। सूचना पर पहुंची एम्स पुलिस ने पहचान की कोशिश शुरू कर दी है। कुशीनगर से लखनऊ की तरफ जाने वाली लेन में फरेन नाला पुल के नीचे महिला का शव मंगलवार को करीब 10 बजे लोगों ने देखा। महिला मैरून कलर की चेक मैक्सी पहने हुई थी। गले में मंगलसूत्र, पैर में पायल, कान में गहने पहने हुई थी। उसके गले पर कसे जाने का निशान था। पास में दुपट्टा का कटा हुआ आधा हिस्सा मिला है। सूचना पाकर चौकी प्रभारी रमेश कुशवाहा मौके पर पहुंच गए। उनकी सूचना पर सीओ कैंट मानुष पारिक थानाध्यक्ष एम्स मदन मोहन मिश्रा अपने के साथ पहुंच कर जांच कर शव को पोस्टमार्टम हाउस के लिए भेज दिया गया। शव की पहचान के बाद ही मौत की वजह साफ होने की बात कही जा रही है।

पुलिस के हत्थे चढ़ा बेटी के साथ संबंध बनाने का आरोपी

संवाददाता

बस्ती। एक गांव की महिला अपनी बेटी के साथ सोमवार को थाने पहुंचकर पुलिस को व्यथा बताने लगी तो लोग सुनकर दंग रह गए। उसने बताया कि उसका पति पिछले दो वर्ष से बेटी के साथ शारीरिक संबंध बनाता आ रहा है।

19 वर्ष की बेटी के साथ शारीरिक संबंध बनाने के आरोपी पिता को छावनी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सोमवार को पीड़िता की मां उसे लेकर थाने पहुंची थी। जिसके बाद हरकत में आई पुलिस ने केस दर्ज कर पीड़िता को मेडिकल के लिए भेज दिया था। सीओ ने बताया कि आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया,जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। बता दें कि छावनी थानाक्षेत्र के एक गांव की महिला अपनी बेटी के साथ सोमवार को थाने पहुंचकर पुलिस को व्यथा बताने लगी तो लोग सुनकर दंग रह गए। उसने बताया कि उसका पति पिछले दो वर्ष से बेटी के साथ शारीरिक संबंध बनाता आ रहा है। जब भी वह विरोध करती या मां से शिकायत करने की बात करती थी तो उसका पिता जान से मारने की धमकी देकर चुप करा देता रहा। मां को जानकारी होने पर उसने ऐतराज जताया मगर बदनामी के डर से वह मुंह न खोल सकी। आजिज आने पर बेटी को लेकर वह थाने पहुंची और तहरीर देकर केस दर्ज कराया।

योगी राज में गोशालाओं में क्यों दम तोड़ रही हैं गायें? गौशाला में पांच गौवंशों की मौत, BDO ने दिये जांच के आदेश

हिमांशु त्रिपाठी (द अचीवर टाइम्स)

हरदोई। उत्तर प्रदेश में राज्य सरकार गायों की सुरक्षा के लिए चाहे जितने उपाय कर रही हो, लेकिन फिर भी न तो गायों की दुर्दशा में कमी आ रही है और न ही गायों की होने वाली मौतों में। हरदोई जिले में गोवंशो को सड़कों पर आवारा घूमते, मृत अवस्था में तो हर कोई देखता है चाहें स्थानीय लोग हों या फिर अधिकारी हों, लेकिन इतना सब कुछ आंखों देखने के बावजूद भी जिम्मेदार गोरक्षा को लेकर कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठाते? जो गौशालाएं हैं, उनमें भी अगर गोवंशों की मौत होगी, तो फिर सुरक्षा कहां है? आपको बता दें जिले की हरियावां विकासखंड में गोवांशों को लेकर हालात बद से बदतर होने की वजह से कहीं गोवंश सड़क पर दिखाई देंगे, तो कहीं गोवंश भूख प्यास से तड़प-तड़प कर गौशाला में दम तोड़ते दिखाई देंगे। ग्राम प्रधान व अधिकारियों की खाओ-कमाओ नीति के चलते आवारा गौवंशों का बहुत ही बुरा हाल है। आवारा गौवंशों को लेकर किसान व आम जनमानस बेहद ही परेशान है, लेकिन आवारा गौवंशों की समस्या का समाधान होने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला हरियावां विकासखंड के ग्राम पंचायत मवैया का है, जहां अस्थाई गौशाला में बन्द आवारा गौवंशों में पांच गोवंश की भूख-प्यास के कारण मौत हो गई है, जिसकी सूचना ग्रामीणों द्वारा वीडीओ हरियावां को दी गई। वहीं बीडीओ हरियावां निधि राठौर ने बताया कि गौशाला में गौवंशों की क्षमता 50 हैं और उस गौशाला में उसके सापेक्ष 250 गोवंश बंद है, जिसके कारण पांच गौवंशों की मौत हुई है फिर भी जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। अब सवाल ये उठता है कि अगर गौशाला की क्षमता कम है, तो इतने गोवंश आए कैसे? आखिर किसकी लापरवाही के कारण गौवंशों की मौत हो रही है?

फार्मा और ऑटो मोबाइल हब बनेगा प्रदेश, रोजगार के खुलेंगे द्वार, 1500 से 2000 करोड़ का होगा निवेश

एजेंसी

देहरादून। वर्तमान में देश के कुल दवा उत्पादन में उत्तराखंड 20 प्रतिशत हिस्सेदारी है। प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्र सेलाकुई, हरिद्वार, पंतनगर, रुद्रपुर में 249 औषधि निर्माण इकाइयां स्थापित हैं। निवेशक सम्मेलन से नए निवेश से उत्तराखंड ऑटो मोबाइल और फार्मा का हब बनेगा। उत्तराखंड फार्मा और ऑटो मोबाइल सेक्टर का हब बन रहा है। नए निवेश और पहले से स्थापित उद्योगों के विस्तारीकरण से फार्मा और ऑटोमोबाइल क्षेत्र को पंख लगेंगे। इससे रोजगार के द्वार भी खुलेंगे। वैश्विक निवेशक सम्मेलन से फार्मा सेक्टर में 1500 से 2000 करोड़ रुपये का निवेश होगा। कई कंपनियां निवेश में दिलचस्पी दिखा रही है। वर्तमान में देश के कुल दवा उत्पादन में उत्तराखंड 20 प्रतिशत हिस्सेदारी है। प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्र सेलाकुई, हरिद्वार, पंतनगर, रुद्रपुर में 249 औषधि निर्माण इकाइयां स्थापित हैं। इसके अलावा ऊधमसिंह नगर जिले में पंतनगर, रुद्रपुर में महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स, बजाज, हीरो मोटर्स, अशोका लीलेंड ने विनिर्माण इकाइयां स्थापित कर बड़ा निवेश किया है। राज्य की जीडीपी में ऑटो उद्योग का सात प्रतिशत योगदान है। ऑटो मोबाइल और फार्मा सेक्टर की निर्यात में बड़ी भागीदारी है। निवेशक सम्मेलन से नए निवेश से उत्तराखंड ऑटो मोबाइल और फार्मा का हब बनेगा।

हजारों लोगों को मिला है प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रोजगार

ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट से प्रदेश सरकार फार्मा और ऑटो मोबाइल को भी प्रोत्साहन दे रही है। नई औद्योगिक नीति के कारण मिले अनुकूल माहौल से राज्य में फार्मा और ऑटो सेक्टर में निवेश बढ़ा है। प्रदेश में वर्ष 2022 के दौरान फार्मा सेक्टर में लगभग 15 हजार करोड़ रुपये का कारोबार किया। अहम बात यह है कि इसमें से 1150 करोड़ रुपये की दवाएं निर्यात की गई। प्रदेश में फार्मा सेक्टर से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तौर पर हजारों लोग जुड़े हैं। इस सेक्टर में निवेश और रोजगार की असीम संभावनाएं हैं।

सब जोन ऑफिस उत्तराखंड में स्थापित

सरकार के प्रयासों से निर्माता फर्मों के आवेदनों के निस्तारण के लिए केंद्रीय औषधि मानक संगठन के सब जोन ऑफिस उत्तराखंड में स्थापित किया है। फार्मा कंपनियों के लिए ऑनलाइन लाइसेंस प्रक्रिया होने से आवेदन की जटिलता को समाप्त किया गया है और उच्च गुणवत्ता की दृष्टि से सभी अनुमतियां केंद्र व राज्य सरकार के संयुक्त निरीक्षण बाद ही जारी की जाती है। उत्तराखंड फार्मा विनिर्माण हब के रूप में तेजी आगे बढ़ रहा है। निवेशक सम्मेलन से राज्य में 1500 से 2000 करोड़ रुपये के निवेश के लिए निवेशक तैयार है। इससे पहले से स्थापित उद्योगों को नई उम्मीद है। फार्मा कंपनियों को दवाइयां बनाने के लिए कच्चा माल बाहर से मंगाना पड़ता है, जिसमें ट्रांसपोर्ट की लागत बढ़ती है। यदि सरकार ट्रांसपोर्ट पर सब्सिडी की सुविधा दे तो उत्तराखंड पूरे देश में फार्मा क्षेत्र में पहले स्थान पर होगा।

छत्तीसगढ़ ने बीजेपी को हराने के लिए बीजेडी ने पैसे लगाया

मनोरंजन सासमल स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेश्वर। बीजेडी ने छत्तीसगढ़ में बीजेपी को हराने के लिए पैसा लगाया था. इसके बावजूद छत्तीसगढ़ की जनता ने बीजेपी को वोट दिया. छत्तीसगढ़ में बीजेपी की जीत हुई है. ऐसा ही एक विस्फोटक बयान बीजेपी नेता प्रदीप पुरोहित ने दिया है.उन्होंने कहा, पिछले चुनाव में भी बीजेपी ने हारने के लिए छत्तीसगढ़ में पैसा लगाया था.छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की जीत के बाद बिजेड़ी नेता खुश हैं. इस बार भी बिजेड़ी ने ऐसा किया. बीजेपी को हराने के लिए बिजेड़ी पैसों का दांव लगा रही थी. बिजेड़ी नेताओं ने छत्तीसगढ़ आकर भाजपा के खिलाफ प्रचार किया। उन्होंने कहा कि बीजेपी को वोट न दें. इसके बावजूद छत्तीसगढ़ की जनता ने बीजेपी को वोट दिया. छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी. 2024 में ओडिशा में भी बीजेपी सरकार बनाएगी, इसे कोई नहीं रोक सकता. 2024 में छत्तीसगढ़ चुनाव का असर ओडिशा पर पड़ेगा. प्रदीप पुरोहित ने तेलंगाना में बीआरएस की हार को बीजेडी के लिए खतरे की घंटी बताया. उन्होंने कहा, राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के नतीजे बिजेड़ी के लिए मौत की घंटी की तरह हैं. बीजेपी इस विजय बीजू जनता दल नेता को चेतावनी दे रही है. बीजू जनता 25 वर्षों से ओडिशा पर शासन कर रही है। मृत्यु की घंटी पहले ही बज चुकी है. छत्तीसगढ़ में बीजेपी की जीत का पश्चिम ओडिशा पर बड़ा असर पड़ेगा.2024 का चुनाव जीतने के लिए चाहे कितना भी पैसा खर्च कर लिया जाए, बीजू जनता दल सरकार गिर जाएगी। प्रदीप पुरोहित ने कहा कि ओडिशा में बीजेपी सरकार बनाएगी।

एक नज़र

भारत दौरे पर सऊदी अरब के मंत्री, भारतीय तीर्थयात्रियों की यात्रा को सुविधाजनक बनाने पर करेंगे चर्चा

नई दिल्ली । अल राबिया भारतीय नेताओं के साथ उच्च स्तरीय चर्चा करने वाले हैं। इस चर्चा का मुख्य लक्ष्य दो प्रसिद्ध मस्जिदों तक भारतीय तीर्थयात्रियों की यात्रा को सुविधाजनक बनाने और कुशल सेवाएं प्रदान करना है। सऊदी अरब के हज और उमराह मंत्री तौफीक बिन फौजान अल-राबिया भारतीय तीर्थयात्रियों की मेजबानी के लिए व्यापक व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के मकसद से भारत दौरे पर हैं। दिल्ली में सऊदी दूतावास द्वारा एक रीडआउट जारी किया गया, जिसमें बताया गया कि अल राबिया भारतीय नेताओं के साथ उच्च स्तरीय चर्चा करने वाले हैं। भारतीय नेताओं के साथ चर्चा का मुख्य लक्ष्य सऊदी अरब के दो प्रसिद्ध मस्जिदों तक भारतीय तीर्थयात्रियों की यात्रा को सुविधाजनक बनाने और कुशल सेवाएं प्रदान करना है। उमरा के लिए जाने वाले भारतीयों के लिए प्रक्रियाओं को सुविधाजनक बनाने के लिए नुसुक प्लेटफॉर्म और ताशीर-ए-वीजा इस्यूइंग सेंटर प्रदर्शनी का भी आयोजन करेगा। भारत दौरे के दौरान अल राबिया के साथ उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के वरिष्ठ अधिकारी और निजी क्षेत्र के प्रतिनिधि भी होंगे। इस दौरे का मुख्य लक्ष्य भारत से आने वाले अथितियों को सुविधाएं उपलब्ध कराना है। सऊदी अरब के नेता का यह विदेश दौरा दुनिया भर के देशों के साथ सहयोग को बढ़ावा देने के निरंतर प्रयास को दर्शाता है।

5 दिसंबर को 10 घंटे ठप रहेगी विद्युत आपूर्ति, होगी यह बड़ी वजह

हाथरस। हाथरस में सहपऊ विद्युत उपकेंद्र पर पांच के स्थान पर 10 एमवीए का ट्रांसफॉर्मर रखा जाएगा। मौसम खराब होने के साथ ट्रांसफॉर्मर उठाने के लिए हाइड्रा मशीन विद्युत उपकेंद्र पर समय पर नहीं आ सकी। अब यह कार्य 5 दिसंबर को पूरा किया जाएगा। इस कारण से 10 घंटे तक विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी।हाथरस में सहपऊ विद्युत उपकेंद्र पर 5 दिसंबर को सुबह आठ बजे से शाम छह बजे तक ट्रांसफॉर्मर बदले जाने के कारण विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। अवर अभियंता नेम सिंह ने बताया कि बिजलीघर में पांच के स्थान पर 10 एमवीए का ट्रांसफॉर्मर रखा जाएगा। हालांकि यह कार्य 4 दिसंबर को होना था, लेकिन मौसम खराब होने के साथ ट्रांसफॉर्मर उठाने के लिए हाइड्रा मशीन विद्युत उपकेंद्र पर समय पर नहीं आ सकी। अब यह कार्य अगले दिन 5 दिसंबर को पूरा किया जाएगा। इस कारण से 10 घंटे तक विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी।

बलवंत सिंह राजोआना से नहीं मिला पाया शिअद शिष्टमंडल, सीएम मान और केजरीवाल पर बरसे मजीठिया

चंडीगढ़। बिक्रम सिंह मजीठिया ने कहा कि जहां राजोआना से मुलाकात की अनुमति नहीं देकर भेदभाव किया जा रहा है। वहीं गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को वीआईपी ट्रीटमेंट दिया जा रहा है। यहां तक कि उसे स्मार्टफोन और विशेष खाना भी दिया जा रहा है। पंजाब के पूर्व सीएम बेअंत सिंह हत्याकांड में पटियाला जेल में बंद बलवंत सिंह राजोआना से मुलाकात करने सोमवार को शिरोमणि अकाली दल (शिअद) का एक शिष्टमंडल पटियाला पहुंचा। इसमें वरिष्ठ अकाली नेता बिक्रम सिंह मजीठिया और विरसा सिंह वल्टोहा समेत अन्य शामिल थे। लेकिन पुलिस ने शिष्टमंडल को जेल के गेट पर ही रोक दिया और कहा कि उन्हें मुलाकात करने की अनुमति नहीं मिली है। इस पर मजीठिया भड़क उठे। उन्होंने कहा कि मुलाकात की अनुमति एडीजीपी (जेल) से ली थी। बावजूद इसके उन्हें मिलने नहीं दिया गया। यह बेहद निंदनीय है। मजीठिया ने कहा कि अगर भूख हड़ताल पर जाने से बलंवत सिंह राजोआणा को कोई नुकसान होता है तो सीएम भगंवत मान और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल पूरी तरह से जिम्मेदार होंगे। मजीठिया ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री मान ने अकाली दल के प्रतिनिधिमंडल को राजोआना से मिलने की अनुमति देने के राज्य जेल विभाग के फैसले को पलट दिया है। ऐसा लगता है कि मुख्यमंत्री सबसे संवेदनशील मुद्दे पर राजनीति करना चाहते हैं और समुदाय की भावनाओं को भड़काना चाहते हैं। यह बेहद निंदनीय है। मजीठिया ने कहा कि अगर राजोआना मंगलवार को भूख हड़ताल पर जाते हैं तो इसके लिए भगवंत मान व केजरीवाल पूरी तरह से जिम्मेदार होंगे। गौरतलब है कि राजोआना ने फांसी की सजा को उम्रकैद में बदलने की राष्ट्रपति से की गई अपील को शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) से वापस लेने की मांग की थी। इसके पूरा न होने पर पांच दिसंबर से जेल में भूख हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी थी। मजीठिया ने कहा कि अकाली दल के प्रतिनिधिमंडल ने श्री अकाल तख्त साहिब के निर्देश के बाद राजोआना से मिलने की अनुमति मांगी थी। इससे पहले एसजीपीसी ने भी तख्त के निर्देश के अनुसार बंदी सिंह से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा कि अकाली दल ने भी एसजीपीसी के समान आधार पर अनुमति मांगी थी और एडीजीपी जेल ने उन्हें अनुमति दी थी लेकिन उन्हें रोकने के लिए यहां सेंट्रल जेल के सामने बेवजह बैरिकेड लगा दिए गए। यही नहीं जेल अधिकारी इस बात का कोई संतोषजनक स्पष्टीकरण देने में भी नाकाम। मजीठिया और वल्टोहा ने राजोआना से अपील करते हुए कहा कि उनके खिलाफ साजिश चल रही है इसीलिए उन्हें मंगलवार से भूख हड़ताल शुरू करने के अपने फैसले को वापस लेना चाहिए। मजीठिया ने राजोआना की अपील पर फैसला न लिए जाने को लेकर केंद्र सरकार पर भी हमले किया।

शराब के नशे में हुई कहासुनी का खौफनाक मंजर, सिर पर वार कर उतारा मौत के घाट, अब हुआ खुलासा

एजेंसी

ऊधम सिंह नगर। जसपुर में ईंट भट्टे के चौकीदार का शव मिट्टी में दबा मिलने के मामले में पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने हत्यारोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। ईंट भट्टे के चौकीदार का शव मिट्टी में दबा मिलने के मामले में पुलिस ने घटना का खुलासा कर हत्यारोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। सोमवार को घटनाक्रम का खुलासा करते हुए एसपी अभय सिंह ने बताया कि लोकेन्द्र कुमार निवासी गांव मन्धौरा जिला बिजनौर ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसके पिता हरपाल सिंह (50) बीते पांच वर्षो से ईंट भट्टे पर चौकीदार का कार्य करते थे। बीती एक दिसंबर की शाम 4.30 बजे ईंट भट्टा स्वामी शहजाद ने फोन कर बताया की उसके पिता का शव मिला है। वह और उसका छोटा भाई सुनील कुमार फाइव स्टार ईंट भट्टे बहेड़ी उमरपुर पर पहुंचे। ईंट भट्टा मालिक शहजाद, रहीमुद्दीन व अन्य लोगों ने बताया की उसके पिता को आखिरी बार सतीश उर्फ कलुआ निवासी गांव अगंदपुर के साथ शराब पीते हुए देखा गया था। उसे पूरा विश्वास है कि सतीश उर्फ कलुआ ने शराब पीकर मारपीट कर जान से मार कर मिट्टी में दबा दिया। एसपी अभय सिंह ने बताया कि कोतवाली पुलिस ने कार्रवाई करते हुए रविवार को हत्या के आरोपी को ठाकुरद्वारा रोड से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में हत्यारोपी ने पुलिस को बताया कि चौकीदार हरपाल सिंह और वह 20-25 वर्षो से भट्टे पर कार्य करते थे और दोनों दोस्त थे। एक साथ बैठकर शराब पीते थे। बीती 30 नवंबर को भी दोनों ने साथ बैठकर शराब पी। इस दौरान दोनों का आपस में किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। झगड़े के दौरान उसने ईंट व यूकेलिप्टस का डंडा उसके सिर में मार दिया, जिससे वह गिर गया। उसने उठाने की कोशिश, लेकिन वह उठ नहीं सका। उसे लगा कि वह मर गया है। तब फावड़ा उठाकर मिट्टी में उसे दबा दिया और फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर खून में सना डंडा, फावड़ा बरामद कर आरोपी को जेल भेज दिया है।

प्रदेश की मनीषा मिजोरम के राज्यपाल की ADC नियुक्त, देश की पहली महिला भारतीय सशस्त्र बल अधिकारी बनीं

देहरादून। उत्तराखंड की बेटी मनीषा ने इतिहास रच दिया है। मनीषा को मिजोरम के राज्यपाल ने एडीसी के रूप में नियुक्त किया है। वायुसेना अधिकारी मनीषा ने राज्य का गौरव बढ़ाया है। उन्हें मिजोरम के राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कंभमपति ने एडीसी के रूप में नियुक्त किया है। वह देश की पहली महिला भारतीय सशस्त्र बल अधिकारी बन गई हैं, जिन्हें राज्यपाल के एडीसी के रूप में नियुक्त किया गया है। उत्तराखंड सैन्य बहुल प्रदेश है। यहां सेना में भर्ती होना जीविकोपार्जन का साधन नहीं, बल्कि त्याग, बलिदान और गौरव की परंपरा है। इसी परंपरा को आगे बढ़ा रहा है, नागल ज्वालापुर, डोईवाला, देहरादून निवासी लीलावती कार्की का परिवार। लीलावती के पति प्रेम सिंह कार्की भी सेना में फ्लाइंग ऑफिसर के पद पर कार्यरत थे। सेना से सेवानिवृत्ति के बाद इसी साल फरवरी में एक हादसे में उनका निधन हो गया था। लीलावती कार्की के मुताबिक, उनका बेटा दीपक कार्की सेना में मेजर हैं, जो इन दिनों गुरदासपुर में तैनात हैं, जबकि उनकी बहू मनीषा वायुसेना में स्क्वाड्रन लीडर है। 2015 बैच की भारतीय वायुसेना अधिकारी मनीषा के राज्यपाल के सहायक डी कैंप के रूप में नियुक्ति पर वह खुशी जताती हैं। बताती हैं कि उनकी बहू उनके परिवार का गौरव है। सेना में अधिकारी पद पर रहते हुए जिम्मेदारी को बखूबी निभाने के साथ ही एक बेटी के रूप में वह उनका पूरा ख्याल रखती हैं। इससे पहले वह वायुसेना स्टेशन बीदर, वायुसेना स्टेशन पुणे और वायुसेना स्टेशन भटिंडा में तैनात थीं।

मनीषा ने रचा इतिहास

सेना से सेवानिवृत्त सुबेदार मनोहर सिंह बोरा बताते हैं कि मनीषा ने इतिहास रचा है। इस उपलब्धि से गांव में खुशी है। मिजोरम के राज्यपाल ने भी अपने एक संदेश में कहा कि मनीषा की नियुक्ति महज एक मील का पत्थर नहीं, बल्कि उन महिलाओं की उल्लेखनीय क्षमताओं का प्रमाण है, जो लैंगिक मानदंडों को चुनौती देती हैं और कई क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करती हैं।

बर्फबारी में बंद सड़कों को बहाल करने के लिए तैनात होंगे 15 हजार कर्मचारी, छुट्टियां रद्द

शिमला। प्रदेश सरकार ने भूस्खलन और बर्फबारी वाले किन्नौर, चंबा, मंडी, लाहौल स्पीति और शिमला जैसे क्षेत्रों में एक हजार से ज्यादा डोजर और जेसीबी भी तैनात करने के निर्देश दिए हैं। हिमाचल प्रदेश में सर्दियों के मौसम में बर्फबारी से निपटने के लिए लोक निर्माण विभाग तैयारियों में जुट गया है। फील्ड में तैनात कर्मचारियों की छुट्टियों पर रोक लगा दी गई है। करीब 15,000 कर्मचारियों को अगले आदेश तक विशेष परिस्थितियों में ही अवकाश मिलेगा। प्रदेश सरकार ने भूस्खलन और बर्फबारी वाले किन्नौर, चंबा, मंडी, लाहौल स्पीति और शिमला जैसे क्षेत्रों में एक हजार से ज्यादा डोजर और जेसीबी भी तैनात करने के निर्देश दिए हैं। सड़कों के किनारे बंद पड़ी निकासी नालियों से मलबा हटाने के लिए भी कहा गया है। जिलों में लोक निर्माण कार्यालय में शिकायत कक्ष खोलने के लिए भी कहा गया है, जिससे बर्फबारी के चलते सड़कें बंद होने की जानकारी उपलब्ध होती रहे। लोक निर्माण विभाग के इंजीनियर इन चीफ ने इस बारे में फील्ड में तैनात इंजीनियरों के साथ बैठक की है। हिमाचल के पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी और बारिश से ज्यादा नुकसान होता है। बीते वर्ष भी लोक निर्माण विभाग को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ था। लोक निर्माण विभाग का कहना है कि बर्फबारी की संभावना के चलते मंडल और उपमंडल स्तर के अधिशासी अभियंताओं और सहायक अभियंताओं को सड़कें दुरुस्त रखने को कहा है। विभाग के इंजीनियर इन चीफ अजय गुप्ता ने कहा कि बर्फबारी और बारिश से पहाड़ियां खिसकने का खतरा रहता है। सड़कें ज्यादा समय तक बाधित न हों, इसके चलते मशीनरी फील्ड में भेजी गई है। फील्ड में तैनात कर्मचारियों की छुट्टियों पर रोक लगा दी गई है।

अब वर्चुअल भी हो सकेगी जमीन की रजिस्ट्री, पढ़ें धामी कैबिनेट के 13 अहम फैसले

एजेंसी

देहरादून। पहाड़ में हेलीपैड के लिए जमीन नहीं मिल पाती। इसलिए निजी लोगों को प्रोत्साहित करने को नीति पर मुहर लगाई गई। भू स्वामी अपनी जमीन लीज पर दे सकेगा या खुद हेलिपैड बनाने पर 50त्न तक सब्सिडी मिलेगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में आज सोमवार को कैबिनेट हुई। कैबिनेट से पहले तीन बिंदुओं पर चर्चा हुई। बैठक में गौरा देवी के बचे गए अभ्यर्थियों को जल्द मिलेगा पैसा दिए जाने सहित 13 प्रस्ताव पारित हुए। इस दौरान निवेशक सम्मेलन को लेकर भी चर्चा

पहले तीन बिंदुओं पर चर्चा

सिलक्यारा में मदद पर पीएम मोदी को धन्यवाद संदेश भेजा जाएगा

राज्य में जीत पर बधाई राष्ट्रीय खेलों के लिए भी धन्यवाद

ये प्रस्ताव हुए पारित

गौरा देवी कन्या धन योजना के बचे गए अभ्यर्थियों को जल्द मिलेगा पैसा। परिवहन विभाग -चालक लाइसेंस लेने पर यूजर चार्ज 100 रुपये। किसी भी बैंक में जमा होगा। गोविंद बल्लभ पंत संस्थान कीर्तिनगर में 0.4 हेक्टेयर जमीन निशुल्क मिलेगी।

पहाड़ में हेलीपैड के लिए जमीन नहीं मिल पाती। निजी लोगों को प्रोत्साहित करने को नीति पर मुहर। भू स्वामी अपनी जमीन लीज पर दे सकेगा या खुद हेलिपैड बनाने पर 50त्न तक सब्सिडी मिलेगी। उत्तराखंड न्यायिक सेवा नियमावली में संशोधन। सिविल न्यायाधीश वरिष्ठ कहा जाएगा। उत्तराखण्ड उच्चतर न्यायिक सेवा नियमावली में संशोधन पर मुहर। मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना लाई गई। 2035 ऐसी बसावटों को मुख्य मार्ग से जोड़ने के लिए जो 1142 मानक के अनुसार नहीं हैं, उनको भी मुख्य मार्ग से जोड़ा जाएगा। माध्यमिक शिक्षा विभाग - 559 उत्कृष्ट विद्यालय में कन्वर्ट किया जाएगा। 240 करोड़ खर्च करेगी सरकार। यह अटल उत्कृष्ठ से अलग है। अब जमीन की रजिस्ट्री वर्चुअल भी हो सकेगी। पूरे प्रदेश में राजकीय मेडिकल कॉलेज हरिद्वार में 100 एमबीबीएस सीटों का कॉलेज बनाना है। इसके लिए 950 पदों के सृजन पर मुहर। पिथौरागढ़ में भी इतने ही पद सृजित 01 अक्टूबर 2005 से पहले विनियमितीकरण नियमावली के तहत कर्मचारियों को पुरानी पेंशन। राजकीय हाई स्कूल व इंटर कॉलेज में रिक्त पद के सापेक्ष प्रति वादन के हिसाब से शिक्षक रखें गए। उन्हें 200 से 250 रुपये प्रति वादन मिलेंगे। भूतत्व व खनिकर्म विभाग के ढांचे को अनुमोदन। बैठक में रायपुर में सेंट्रल विस्टा की तर्ज पर विधानसभा, सचिवालय समेत सभी निदेशालयों के निर्माण के लिए मास्टर प्लान के अलावा सर्विस सेक्टर पॉलिसी और कर्मचारी सेवाओं से संबंधित विभिन्न नियमावली के प्रस्ताव रखे जा सकते हैं। वहीं आठ और नौ दिसंबर को फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट (एफआरआई) देहरादून में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट डेस्टिनेशन उत्तराखंड की तैयारियों को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एयरपोर्ट से लेकर आयोजन स्थल तक तैयारियों का जायजा लिया। साथ ही कार्य में जुटे लोगों से मुलाकात भी की। दूसरी तरफ पांच राज्यों की विधानसभा के चुनावी नतीजे से उत्तराखंड की पांच लोकसभा सीटों पर भाजपा का आत्मविश्वास बढ़ा है। मध्यप्रदेश और राजस्थान सरीखे बड़े राज्यों के साथ छत्तीसगढ़ में भाजपा की शानदार जीत हुई है। भाजपा के तीन राज्यों में सत्ता हासिल करने से प्रदेश में भाजपाइयों की खुशी का ठिकाना नहीं है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी व प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट से लेकर आम कार्यकर्ताओं के चेहरे चमक उठे हैं। सियासी जानकारों का मानना है कि लोकसभा चुनाव की तैयारी कर रहे संगठन को यह जीत नई ऊर्जा देगी। भाजपा की ही नहीं विपक्षी दल कांग्रेस की भी पांचों राज्यों के विधानसभा नतीजों पर निगाह लगी थीं।

सीएम धामी ने जिन सीटों पर किया प्रचार वहां खिला कमल

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राजस्थान और मध्यप्रदेश की जिन नौ विधानसभा सीटों पर प्रचार किया, वहां भाजपा प्रत्याशियों ने जीत हासिल की। धामी ने दोनों राज्यों में इन सभी विधानसभा चुनाव में रोड शो और चुनावी जनसभाएं की। राजस्थान में सांगनोर से भजन लाल शर्मा, झोटवाड़ा से राज्यवर्द्धन राठौर, विराटनगर से कुलदीप, सांगोद से हीरालाल नागर, रामगंजमंडी से मदन दिलाव और डग से कालूराम विजयी रहे। मध्यप्रदेश में धामी इंदौर दो, खुरई और सागर विधानसभा सीट पर प्रचार किया। इन तीनों सीटों पर भाजपा को जीत मिली। धामी ने दोनों राज्यों में नौ विधानसभा सीटों पर प्रचार किया, जहां पार्टी को जीत मिली।

कमबैक हार्दिक बीसीसीआई ने बनाया 18 हफ्ते का खास प्लान

एजेंसी

नई दिल्ली। हार्दिक पांड्या विश्व कप मैच के दौरान चोटिल हुए थे। इसके बाद से उन्होंने कोई मैच नहीं खेला है। दक्षिण अफ्रीका दौरे और अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में वह नहीं खेलेंगे। भारतीय टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या एक बार फिर चोट के चलते टीम से बाहर चल रहे हैं। हार्दिक को वनडे विश्व कप 2023 में बाग्लादेश के खिलाफ मुकाबले में चोट लगी थी। इस वजह से वह विश्व कप के भी अधिकतर मुकाबलों में नहीं खेल पाए थे। दक्षिण अफ्रीका दौरे में उनके वापस लौटने की उम्मीद थी, लेकिन टीम में उनका नाम शामिल नहीं था। अब एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि हार्दिक की फिटनेस के लिए बीसीसीआई ने खास प्लान बनाया है। हार्दिक खुद को पूरी तरह से फिट बनाने के लिए 18 सप्ताह तक मेहनत करेंगे। इसके बाद वह मार्च के महीने में वापसी कर सकते हैं। इस स्थिति में वह अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू टी20 सीरीज में भी नहीं खेल पाएंगे। अगले साल जून के महीने में होने वाले टी20 विश्व कप में हार्दिक बेहद अहम खिलाड़ी होंगे। टीम के नियमित कप्तान रोहित शर्मा ने 2022 टी20 विश्व कप के बाद देश के लिए कोई टी20 मैच

नहीं खेला है। उनकी गैरमौजूदगी में अधिकतर मौकों पर हार्दिक ने ही टीम की कमान संभाली है। ऐसे में हार्दिक पांड्या ही अगले विश्व कप में भारत के कप्तान हो सकते हैं। इस वजह से बीसीसीआई उनकी फिटनेस को लेकर विषेश ध्यान रख रहा है और उनकी वापसी में कोई जल्दबाजी नहीं कर रहा। बीसीसीआई ने हार्दिक की फिटनेस के लिए 18 सप्ताह का प्लान बनाया है। हार्दिक को इस दौरान एनसीए में रहकर अपनी फिटनेस पर काम करना होगा। हार्दिक से पहले जसप्रीत बुमराह, लोकेश राहुल और श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ियों के लिए भी बीसीसीआई ने ऐसा ही प्लान बनाया था और ये खिलाड़ी पूरी तरह से फिट होकर विश्व कप में सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में शामिल थे। अब हार्दिक के लिए भी ऐसा ही प्लान बनाया गया है। हार्दिक इससे पहले भी चोटिल हुए थे और लंबे समय तक टीम से बाहर रहे थे। सर्जरी कराने के बाद उन्होंने आईपीएल के जरिए वापसी की और अपनी टीम गुजरात टाइटंस को चैंपिनय बनाया। इसके बाद वह भारतीय टीम में वापसी करने में सफल रहे और कप्तान बनने के प्रबल दावेदार के रूप में ऊभरे। मार्च के महीने में भी हार्दिक से दमदार वापसी की उम्मीद होगी।

यूपी ने अरुणाचल प्रदेश को आठ विकेट से हराया, कश्मीर पर हरियाणा की जीत, दिल्ली ने गवांया मैच

एजेंसी

चंडीगढ़। अरुणाचल प्रदेश की टीम 39.1 ओवर में 102 रन पर ढेर हो गई। जवाब में सलामी बल्लेबाज आर्यन जुयाल (नाबाद 58) की नाबाद अर्धशतकीय पारी के दम पर उत्तर प्रदेश ने 13.3 ओवर में दो विकेट पर 103 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया।

शिवा सिंह (3/10) और यश दयाल (3/17) की बेहतरीन गेंदबाजी की मदद से उत्तर प्रदेश ने मंगलवार को यहां विजय हजारे ट्रॉफी के ग्रप-डी मुकाबले में अरुणाचल प्रदेश को आठ विकेट 219 गेंद शेष रहते हराया। अरुणाचल प्रदेश की टीम 39.1 ओवर में 102 रन पर ढेर हो गई। उत्तर प्रदेश के लिए नितीश राणा (2/2) और अंकित राजपूत (2/18) ने भी विकेट चटकाए। जवाब में सलामी बल्लेबाज आर्यन जुयाल (नाबाद 58) की नाबाद अर्धशतकीय पारी के दम पर उत्तर प्रदेश ने 13.3 ओवर में दो विकेट पर 103 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। आर्यन ने अपनी पारी में 42 गेंदों का सामना करते हुए छह चौके व तीन छक्के जड़े।

हरियाणा ने जम्मू-कश्मीर को हराया

निशांत और राहुल तेवतिया के अर्धशतकों के दम पर हरियाणा ने मंगलवार को यहां विजय हजारे ट्रॉफी के ग्रुप-सी मुकाबले में जम्मू-कश्मीर को चार विकेट से पराजित किया। जम्मू-कश्मीर 49.4 ओवर में 250 रन पर सिमट गया। साहिल लोतरा ने 75 गेंदों में छह चौके व एक छक्के की मदद से 74 रन बनाए। हरियाणा के लिए अंशुल कंबोज, हर्षल पटेल ने विकेट लिए।

युजवेंद्र चहल और राहुल तेवतिया ने दो-दो विकेट चटकाए

जवाब में हरियाणा की टीम ने दो गेंद शेष रहते छह विकेट पर 254 रन बनाकर मैच जीत लिया। निशांत ने 59 गेंदों में 61 रन की पारी खेली और छह चौके व एक छक्का जड़ा। वहीं, राहुल ने 68 गेंदों में अपनी नाबाद 67 रन की पारी में चार चौके व एक छक्का जड़ा। साहिल और आकिब को दो-दो विकेट मिले।

दिल्ली की हार

उत्तराखंड ने मंगलवार को यहां विजय हजारे ट्रॉफी के ग्रुप-सी मुकाबले में दिल्ली को 51 रन से पराजित कर दिया। उत्तराखंड की टीम 45.5 ओवर में 221 रन पर सिमट गई। अवनीश सुधा ने 120 गेंदों में 85 रन की पारी खेली और नौ चौके लगाए, जबकि आदित्य तारे ने 38 गेंदों में 58 रन की पारी में आठ चौके व दो छक्के जड़े। दिल्ली के लिए नवदीप सैनी और हर्ष त्यागी ने तीन-तीन विकेट चटकाए।

जवाब में दिल्ली की टीम 46.2 ओवर में 170 रन पर ढेर हो गई। दिल्ली के लिए आयुष बडोनी ने 97 गेंदों में 87 रन बनाए और नौ चौके व दो छक्के जड़े। उत्तरखंड के लिए अभय नेगी ने 25 रन देकर तीन विकेट लिए। जगमोहन नागरकोटी (2/32), आकाश मधवाल (2/37), मयंक मिश्रा (2/45) ने भी विकेट चटकाए।

दिशा पटानी ने ब्लैक स्ट्रैपलेस गाउन में दिखाया बेहद सिजलिंग लुक

नई दिल्ली। दिशा पाटनी सोशल मीडिया पर काफी पॉपुलर हैं। वो अक्सर बोल्ड तस्वीरें पोस्ट करतीं हैं और देखते ही देखते वो वायरल हो जाती हैं। पिछले दिनों दिशा की बिकिनी फोटोज ने काफी सुर्खियं बटोरी थीं। इस वार उनका इस बार उन्होंने अपना सिजलिंग अवतार दिखाया है। दिशा ने ब्लैक ड्रेस में तस्वीर पोस्ट की है। फैन्स तो कमेंट और लाइक्स कर ही रहे हैं, इन सबके बीच टाइगर श्रॉफ के कमेंट ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है। तस्वीर में आप देख सकते हैं कि दिशा ने ब्लैक कलर का स्ट्रैपलेस रफल गाउन पहना हुआ है। बैठे हुए वह बालों को एक हाथ से संभाले हुए हैं। दिशा की तस्वीर को फैन्स बहुत लाइक कर रहे हैं। इस पोस्ट पर टाइगर श्रॉफ ने कमेंट करते हुए फायर और हार्ट का इमोटिकॉन बनाया है। टाइगर के कमेंट पर एक यूजर ने लिखा- टाइगर जिंदा है। वहीं दिशा की तारीफ में एक फैन ने कहा- माई क्रश। एक अन्य ने लिखा- गॉर्जियस। अपनी तस्वीर के साथ दिशा ने सेलिब्रिटी स्टाइलिस्ट आस्था शर्मा को टैग किया है। उनकी तस्वीर को मशहूर फोटोग्राफर साशा जयराम ने क्लिक किया है। दिशा पाटनी की हाल ही में फल्म राधे में नजर आई थी। इस फिल्म में वो सलमान खान के अपोजिट थीं। एक्ट्रेस जल्दी ही फिल्म एक विलेन रिटर्न्स में नजर आएंगी। पिछले दिनों दिशा ने एक और तस्वीर और शेयर की। इस तस्वीर में दिशा बेहद हॉट लग रही थीं। दिशा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए पिंक कलर की बिकिनी में अपनी तस्वीर शेयर की। इस तस्वीर में दिशा का टोन्ड फिगर बेहद शानदार लग रहा था। तस्वीर को देखकर सोशल मीडिया यूजर्स भी दिशा की फिटनेस और उनके हॉट अंदाज की तारीफों के पुल बांधें। बता दें कि दिशा पाटनी का नाम बॉलीवुड की खूबसूरत और टैलेंटेड अभिनेत्रियों की लिस्ट में शुमार होता है। दिशा अक्सर अपने ग्लैमरस अवतार के साथ ही अपने रिलेशनशिप को लेकर भी सुर्खियों में रहती हैं। बी-टाउन में ऐसे रूमर्स हैं कि टाइगर श्रॉफ दिशा पाटनी को डेट कर रहे हैं। तो वहीं दोनों भी अक्सर एक साथ नजर आते रहते हैं। वहीं दिशा भी टाइगर के परिवार के साथ समय बिताती नजर आती हैं। ।

आखिरकार पाकिस्तानी खिलाड़ियों को मिली अनुमति बिग बैश में नजर आएंगे बड़े खिलाड़ी, हारिस भी शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान के मुख्य चनयकर्ता वहाब रियाज खिलाड़ियों को विदेशी लीग में खेलने के लिए अनुमति देने में देरी कर रहे हैं। हालांकि, वहाब रियाज, जमान खान और ओसामा मिर को बिग बैश लीग में खेलने की अनुमति मिल गई है।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अपने तीन अहम खिलाड़ियों को बिग बैश लीग में खेलने की अनुमति दे दी है। तेज गेंदबाज हारिस रऊफ, जमान खान और स्पिनर ओसामा मिर को बिग बैश लीग में खेलने के लिए पीसीबी ने एनओसी जारी कर दिया है। इससे पहले खबरें आई थीं कि पाकिस्तान के नए मुख्य चयनकर्ता वहाब रियाज खिलाड़ियों को विदेशी लीग में खेलने के लिए एनओसी देने में देरी कर रहे हैं। इसी वजह से ऑलराउंडर इमाद वसीम ने समय से पहले ही अपने संन्यास का एलान कर दिया। हालांकि, अब खिलाड़ियों को बीबीएल में खेलने की अनुमति मिल गई है। पीसीबी ने खिलाड़ियों को एनओसी देते हुए एक आधिकारिक बयान में कहा ÷पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बिग बैश लीग के लिए तेज गेंदबाज हारिस रऊफ, जमान खान और लेग स्पिनर ओसामा मिर को अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी किया है। बोर्ड ने खिलाड़ियों के कार्यभार और टीम के भविष्य के कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए एनओसी जारी की है। रऊफ और मिर को पांच मैच खेलने की अनुमति दी गई है, जबकि जमान केवल चार मैचों में ही खेलेंगे। मैच सात से 28 दिसंबर तक खेले जाएंगे। रऊफ और मिर मेलबर्न स्टार्स का हिस्सा हैं, जबकि जमान सिडनी थंडर की टीम में हैं। रऊफ ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 14 दिसंबर से शुरू होने वाली पाकिस्तान की तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का हिस्सा नहीं हैं। पाकिस्तान के मुख्य चयनकर्ता वहाब रियाज ने आगामी ऑस्ट्रेलिया टेस्ट से पीछे हटने के लिए तेज गेंदबाज हारिस रऊफ पर निशाना साधा और कहा कि इससे पाकिस्तान टीम को नुकसान होगा। ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए पाकिस्तान की 18 सदस्यीय टीम की घोषणा करते हुए मुख्य चयनकर्ता ने खुलासा किया कि रऊफ टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए सहमत थे, लेकिन बाद में उन्होंने अपना मन बदल लिया। वहाब ने कहा ÷हमने इस दौरे के लिए हारिस रऊफ से बात की। जब हमने उनसे दो दिन पहले बात की, तो उन्होंने पाकिस्तान के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए अपनी सहमति दे दी। लेकिन कल रात उन्होंने अपना मन बदल लिया, और अब वह टेस्ट सीरीज का हिस्सा नहीं बनना चाहते हैं।

डिलीवरी के कितने दिन बाद बनाना चाहिए संबंध? जानें क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स

अधिकतर महिलाएं इस असमंजस में होती हैं कि डिलीवरी के कितने समय बाद वे अपना शादीशुदा जीवन फिर से शुरू कर सकती हैं? बच्चा होने के कितने समय बाद सेक्स करना चाहिए?

बच्चा होने के बाद एक महिला की ज़िंदगी में पूरी तरह बदल जाती है। माँ बनना एक ऐसा सुखद एहसास है जिसे शब्दों में बयाँ नहीं किया जा सकता है। माँ बनने के दौरान एक महिला के जीवन में कई तरह के उठाव-चढ़ाव आते हैं। उसके मन में माँ बनने की खुशी तो होती है लेकिन साथ ही नई जिम्मेदारियों के एहसास से मन घबराता भी है। इसके अलवा बच्चा होने के बाद अपनी शादीशुदा ज़िंदगी को लेकर भी एक महिला मन में कई सवाल होते हैं। अधिकतर महिलाएं इस असमंजस में होती हैं कि डिलीवरी के कितने समय बाद वे अपना शादीशुदा जीवन फिर से शुरू कर सकती हैं? बच्चा होने के कितने समय बाद सेक्स करना चाहिए? ऐसे ही कुछ सवालों का जवाब हम आपको इस लेख में देने जा रहे हैं।

क्या है डॉक्टर की राय

डॉक्टर्स के मुताबिक बच्चा होने के बाद सेक्स करने के लिए कम से कम 4 से 6 हफ्तों का गैप रखना जरूरी है। डिलीवरी के बाद एक महिला का शरीर काफी कमजोर हो जाता है और उसे पूरी तरह से हील होने में थोड़ा समय लगता है। इसलिए डॉक्टर डिलीवरी के बाद कम से कम

4 - 6 हफ्ते का गैप क्यों है ज़रूरी

डॉक्टरों का कहना है कि डिलीवरी के बाद यौन संबंध बनाने में किसी भी तरह की जल्दबाज़ी नहीं करनी चाहिए। बच्चा होने के बाद महिला की शरीर को पूरी तरह नॉर्मल होने में कम से कम 4-6 हफ्तों का समय लगता है। डिलीवरी के कुछ ही दिनों बाद सेक्स करने से महिला में इन्फेक्शन का खतरा बढ़ सकता है। इसके अलावा योनि में दर्द, ब्लीडिंग और टाँके खुलने का भी डर रहता है।

नॉर्मल डिलीवरी के बाद सेक्स

जिन महिलाओं की नॉर्मल डिलीवरी होती है, उनमें संक्रमण का खतरा बहुत ज़्यादा होता है। डॉक्टर के अनुसार नॉर्मल डिलीवरी में प्लासेंटा के बाहर निकलने से गर्भाशय जख्मी होता है और घाव को पूरी तरह भरने में थोड़ा समय लगता है। इसलिए नॉर्मल डिलीवरी के बाद कम से कम 1 महीने के बाद ही शारीरिक सम्बन्ध बनाने की सलाह दी जाती है।

अगर हुई हो सिजेरियन डिलीवरी

सिजेरियन डिलीवरी में नॉर्मल डिलीवरी के मुकाबले ज्यादा समय लगता है। यदि सिजेरियन डिलीवरी हुई हो तो शारीरिक संबंध बनाने के लिए कम से कम 6 हफ्तों का इंतज़ार जरूर करें। डॉक्टर्स के मुताबिक डिलीवरी के दौरान लगे टाँके जब तक पूरी तरह भर ना जाएं तब तक यौन संबंध नहीं बनाना चाहिए। टाँके पूरी घुल गए हैं या नहीं इसके बारे में एक बार डॉक्टर से सलाह ज़रूर ले लें।

अपनी खूबसूरती के लिए मशहूर हैं भारत के झरने, छुट्टियों में आप भी कर आइए इनकी सैर

भंबावली वॉटरफॉल, पश्चिमी महाराष्ट्र के सतारा में सह्याद्री पहाड़ियों के पास 1840 फीट की ऊंचाई पर है स्थित

ऊँचे पहाड़, हरे-भरे मैदान और खूबसूरत झरने, किसी को भी अपनी ओर आकर्षित कर सकते हैं। भारत में कई खूबसूरत झरने हैं जिन्हें देखने लोग दूर-दूर से आते हैं। भारत में घूमने के लिए बहुत सी बेहतरीन जगहें हैं। ऊँचे पहाड़, हरे-भरे मैदान और खूबसूरत झरने, किसी को भी अपनी ओर आकर्षित कर सकते हैं। भारत में कई खूबसूरत झरने हैं जिन्हें देखने लोग दूर-दूर से आते हैं। आज के इस लेख में हम आपको भारत के सबसे सुंदर झरनों के बारे में बताने जा रहे हैं-

भंबावली वॉटरफॉल, पश्चिमी महाराष्ट्र के सतारा में सह्याद्री पहाड़ियों के पास 1840 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। यह भारत का सबसे ऊंचाई से गिरने वाला झरना है। यह झरना उर्मोदी नदी से निकलता है। इस वॉटरफॉल का धार्मिक महत्व भी है। कर्नाटक राज्य में स्थित और बैंगलोर से लगभग 130 किमी दूर, शिवनासमुद्र जलप्रपात सड़क मार्ग से आसानी से पहुँचा जा सकता है। यह वॉटरफॉल कावेरी नदी के किनारे स्थित है और नदी दो अलग-अलग स्थानों - गगनचुक्की और भरचुक्की में विभाजित और गिरती है। यह फॉल एक मनोरम दृश्य प्रस्तुत करता है और यहाँ आप छुट्टियों का आनंद ले सकते हैं। 1017 फीट की ऊंचाई पर स्थित, दूधसागर झरना गोवा के साथ-साथ भारत के सबसे ऊंचे झरनों में से एक है। इस झरने से बहता पानी दूध की तरह सफेद दिखता है इसलिए इसका नाम दूधसागर रखा गया है। यह झरना गोवा हवाई अड्डे से लगभग 70 किमी की दूरी पर है। एशिया का सबसे चौड़ा और भारत का सबसे बड़ा जलप्रपात, चित्रकोट जलप्रपात को भारत का नियाग्रा फॉल भी कहा जाता है। छत्तीसगढ़ में स्थित यह झरना बस्तर जिले में इंद्रावती नदी से निकलता है। यहाँ आप भगवान शिव को समर्पित प्राचीन मंदिर भी जा सकते हैं जो इस झरने के पास स्थित है। कर्नाटक में शिमोगा जिले के घने सदाबहार जंगल में स्थित, जोग फॉल भारत का दूसरा सबसे ऊंचा झरना है। जोग फॉल्स को गेरसप्पा फॉल्स भी कहा जाता है। मानसून के दौरान इसका जल स्तर बढ़ जाता है और कभी-कभी इंद्रधनुष भी दिखाई देता है। 270 फीट की ऊंचाई के साथ, तालाकोना झरना आंध्र प्रदेश में सबसे ऊंचा झरना है। यह देश के सबसे खूबसूरत झरनों में से एक है और यह जंगलों और वन्य जीवन के बीच स्थित है। यह चित्तूर में श्री वेंकटेश्वर राष्ट्रीय उद्यान के भीतर स्थित है। यह भी माना जाता है कि इस झरने के पानी का औषधीय महत्व है क्योंकि इस क्षेत्र के आसपास कई औषधीय जड़ी-बूटियां हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विवेक श्रीवास्तव द्वारा ओम साई क्रियेषन्स, आषा काम्पलके स, इन्दिरा नगर लखनऊ से मुद्रित एवं पहला तल, निधि काम्पलेक्स, विकास नगर लखनऊ (उ0प्र0) से प्रकाशित। RNI No.UPHIN/2015/6090 सम्पादक- विवेक श्रीवास्तव, फोन नं0- 8004949556, 7570901365 Email. info@theachievertimes.com किसी भी वाद विवाद का निस्तारण लखनऊ न्यायालय ही मान्य होगा।

समाचार-पत्र का मुख्य उद्देय ग्रामीण भारत का सत प्रतिशत मीडिया कवरेज कर समाज में फैला भ्रष्टाचार समाजिक बुराइयों एवं कुरीतियों को अपने स्तर पड़ताल करके सम्बन्धित उच्चअधिकारियों को ध्यानकर्षण कर उन्हें समाप्त कराना है।